C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-1 Programme

क्रम.	SUBJECT CODE	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	कक्षा अध्यापन प्रति सप्ताह	सतत सर्वग्राही मूल्यांकन अंक	यूनिवर्सिटी परीक्षा अंक	कुल अंक	परीक्षा समय
1.	22120	HIN. Comp.-1 अनिवार्य हिन्दी भाग-१	03	03	30	70	100	२ घंटे
2.	22121	HIN. C. C. Paper आधुनिक हिन्दी काव्य भाग-१	03	03	30	70	100	२ घंटे
3.	22122	HIN. C. C. Paper आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य -भाग-१	03	03	30	70	100	२ घंटे
4.	22123	HIN. E. C. Paper आधुनिक हिन्दी काव्य भाग-१	03	03	30	70	100	२ घंटे
5.	22124	HIN. E. C. Paper आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य - भाग-1	03	03	30	70	100	२ घंटे
6.	22125	HIN. S. E. Paper आधुनिक हिन्दी कहानी -१	03	03	30	70	100	२ घंटे
7.	22126	Foundation Course हिन्दी प्रवेश भाग-१	02	02	30	70	100	२ घंटे
8.	22127	Soft Skill Paper No.- हिन्दी लेखन कौशल भाग-१	02	02	30	70	100	२ घंटे
		जोड़	22	22	240	560	800	16 घंटे

बी .ए . सेमेस्टर – 1

अनिवार्य हिन्दी भाग-1 (HIN. Comp. Paper No.-1)

प्रतिपाद्य :

मनुष्य जीवन की स्थितियों और विसंगतियों की पहचान आज की कहानियों का महत्वपूर्ण विषय है | आधुनिक कहानीकारों ने कहानी को मनुष्य जीवन के बुनियादी सवालों से जोड़ने का रचनात्मक दायित्व प्रमाणिकता से पूरा किया है | कथ्य के साथ कहानी में शिल्पगत परिवर्तन भी हुआ है | इस दृष्टी से इस प्रश्नपत्र का अध्ययन अपेक्षित है |

पाठ्यपुस्तक :

कहानी नई पुरानी
संपादक : सोमेश्वर पुरोहित
नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद |

कहानी :

1. नमक का दारोगा - प्रेमचंद
2. शरणागत - वृन्दावनलाल वर्मा
3. हार की जीत - सुदर्शन
4. अपना-अपना भाग्य - जैनेन्द्र कुमार
5. दो बाँके - भगवतीचरण वर्मा
6. डाची - उपेन्द्रनाथ अश्क

पाठ्यवस्तु विवरण :

यूनिट : 1. 1. नमक का दारोगा - प्रेमचंद
2. शरणागत - वृन्दावनलाल वर्मा
3. हार की जीत - सुदर्शन — कक्षा अध्ययन -9 - घंटे अंक -14

यूनिट : 2. 4. अपना-अपना भाग्य - जैनेन्द्र कुमार
5. दो बाँके - भगवतीचरण वर्मा
6. डाची - उपेन्द्रनाथ अश्क — कक्षा अध्ययन -9 - घंटे अंक -14

यूनिट : 3. पठित कहानियों में से संबंधित स-संदर्भ व्याख्या तथा टिप्पणियों का कक्षा अध्यापन | — कक्षा अध्ययन -9 - घंटे अंक -14

यूनिट : 4. विरामचिन्ह, संज्ञा एवं सर्वनाम का परिचयात्मक अध्ययन | — कक्षा अध्ययन -9 - घंटे अंक -14

यूनिट : 5. विचार पल्लवन एवं मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन | — कक्षा अध्ययन -9 - घंटे अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. पठित कहानियों में से संबंधित स-संदर्भ व्याख्या | (चार में से दो) अंक : 14
2. पठित कहानियों में से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक : 14
3. विरामचिन्ह, संज्ञा और सर्वनाम में से किसी एक को लेकर आलोचनात्मक प्रश्न |

   अथवा

   विरामचिन्ह, संज्ञा और सर्वनाम की पहचान सूचनानुसार कीजिए | (दस में से सात) अंक :14
4. पल्लवन कीजिए- अथवा मुद्दों के आधार पर कहानी लेखन | अंक :14
5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो) अंक :14

:- लिखित परीक्षा: 70 अंक और आंतरिक परीक्षा 30 अंक = 70+30 = 100

:- **आंतरिक मूल्यांकन :** 30 अंक विश्वविध्यालय के मानदंड पर आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ , सुरेश चौधरी , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |
2. कहानी नई पुरानी , डॉ.नामवर सिंह , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली |
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृत्ति , देवीशंकर अवस्थी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |
4. नई कहानी की विकास प्रक्रिया , डॉ.आनंद प्रकाश , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी कहानी , डॉ,लक्ष्मीनारायण लाल , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली |
6. हिन्दी कहानी का इतिहास , लालचंद गुप्त , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |
7. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनःमूल्यांकन , डॉ.कुसुम वार्ष्णेय , साहित्य भवन ,इलाहाबाद |

बी.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-1

प्रश्नपत्र-1.छायावादोत्तर हिन्दी काव्य (मुख्य एवं प्रथम गौण)

प्रतिपाद्य :

आधुनिक हिन्दी कविता के परिवर्तनशील प्रवाहो में छायावादोत्तर कविता का विशिष्ट स्थान रहा है | प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी कविताओं का संवेदन पक्ष एवं शिल्प के आधार पर अंदाज कुछ अलग ही है | हिन्दी साहित्य की काव्यधारा में इस नये प्रवाह की कविताओं और कवियों की लाक्षणिकताओं से छात्रों को अवगत कराना आवश्यक है | छात्र इन काव्यधाराओं से परिचित होकर हिन्दी काव्य की श्रीवृद्धि से परिचित होंगे |

पाठ्यपुस्तक : 1. छायावादयुगीन कविताएँ - संपादक- डॉ.ओमप्रकाश गुप्ता
ध्रुमिल पब्लिकेशन 103, नंदन कोम्प्लेक्ष मिठाखली, अहमदाबाद-06
2. यशोधरा - गुप्तजी

युनिट-1 1.1 मैथिलीशरण गुप्त के व्यक्तित्व-कृतित्व और ' यशोधरा ' की कथा का अध्ययन |
1.2 खंडकाव्य के रूप में ' यशोधरा ' की समीक्षा और पात्र, उद्देश्य, शीर्षक का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2 2.1 जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
2.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) हिमाद्री तुंग शृंग से 2) जाग री !
3) मेरे नाविक 4) संस्कृति के वे सुन्दरतम क्षण !

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3 3.1 सुमित्रानंदन पन्त के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
3.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) ताज 2) द्रुत जरो
3) भारतमाता 4) धेनुएँ

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 4.1 महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
4.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) विरह का जलजात जीवन 2) मैं बनी मधुमास आली !
3) मैं नीर भरी दुःख की बदली 4) यह मन्दिर का दीप

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-5 उपर्युक्त रचनाकारों की रचनाओं में से ससंदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न 1. उक्त चारों कवियों की पठित कविताओं में से एक-एक ससंदर्भ | चार में से किन्हीं दो | अंक 14

प्रश्न.2. युनिट 1 में से आलोचनात्मक प्रश्न | दो में से एक | अंक 14

प्रश्न.3. युनिट 2 में से आलोचनात्मक प्रश्न | दो में से एक | अंक 14

प्रश्न.4. युनिट 3 में से आलोचनात्मक प्रश्न | दो में से एक | अंक 14

प्रश्न.5. टिप्पणियाँ | चार में से दो | अंक 14

(टिप्पणी के लिए युनिट 4 में से तथा एक टिप्पणी अनिवार्य रूप से उक्त रचनाकारों के व्यक्तित्व-कृतित्व से पूछी जाएगी)

कुल अंक : 70

आतंरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

संदर्भ ग्रन्थ :

1. महादेवी की कविता में सौन्दर्य भावना, डॉ.तुलसम्मा सी., सूर्य प्रकाशन, दिल्ली-06 |
2. छायावादी कविता, डॉ.द्वारकाप्रसाद साँचीहर, चिंता प्रकाशन , पिलानी(राज)31 |
3. छायावाद की काव्य प्रवृत्तियाँ एवं महादेवी वर्मा, प्रो.हरजीभाई वाघेला, भावना प्रकाशन, दिल्ली-91 |
4. छायावाद की भाषा, रमेशचंद्र गुप्त, प्रवीण प्रकाशन, नई दिल्ली-30 |
5. छायावादयुगीन काव्य, डॉ.अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
6. आधुनिक कवि (अरुण कमल-भारतेन्दु), विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
7. आधुनिक हिन्दी कविता : सृजनात्मक संदर्भ, डॉ.रामदरश मिश्र, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली-51|
8. आधुनिक हिन्दी कविता : विकास के आयाम, नीरज ठाकुर, चिंता प्रकाशन , पिलानी(राज)31 |
9. नई कविता के नए कवि, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

बी .ए . सेमेस्टर – 1

मुख्य एवम् प्रथम गौण: हिन्दी

प्रश्न पत्र – 2 (आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य - भाग – 1)

प्रतिपाद्य :

साहित्य में कहानी का एक अपना विशिष्ट महत्व रहा है | हिन्दी कहानी की विकासयात्रा भिन्न भिन्न मोड़ो , गतिविधियों व विषय वैविध्य का अनुभव देने में सक्षम रही है | एक साहित्य स्वरूप के रूप में भी कहानी की अपनी अहमियत रही है | इस प्रभावी विधा से छात्रों को परिचित होना आवश्यक माना जाएगा |

पाठ्यपुस्तक :

'कथान्तर '- सम्पादक : परमानदं श्रीवास्तव
गिरीश रस्तोगी , राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली |

पाठ्यवस्तु:

युनिट -1 ; कहानी विधा का स्वरूपगत एवम निर्दिष्ट रचनाकारों का परिचयात्मक अध्ययन	कक्षा अध्यापन :9 घंटे , अंक :14
युनिट -2 :'उसने कहा था ' – चंद्रधर शर्मा गुलेरी ; ' आकाश दीप ' जयशंकर प्रसाद	कक्षा अध्यापन :9 घंटे , अंक :14
युनिट -3 : ' कफ़न ' – प्रमचंद ; ' गैंग्रीन ' – अज्ञेय	कक्षा अध्यापन :9 घंटे , अंक :14
युनिट -4 : सामाजिक पत्र लेखन तथा आवेदन पत्र	कक्षा अध्यापन :9 घंटे , अंक :14
युनिट -5 : उपर्युक्त रचनाओं के सन्दर्भ में ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियाँ हेतु अध्ययन	कक्षा अध्यापन :9 घंटे , अंक :14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) चार में से दो स-सन्दर्भ व्याख्या	(7 x 2) =	14 अंक
(2) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न		14 अंक
(3) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न		14 अंक
(4) दो में से एक पत्र लेखन का प्रश्न		14 अंक
(5) चार में से दो टिप्पणियाँ	(7 x 2) =	14 अंक

:- लिखित परीक्षा: 70 अंक और आंतरिक परीक्षा 30 अंक = 70+30 = 100

:- आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक विश्वविध्यालय के मानदंड पर आधारित |
टिप्पणी में रचनाकार के बारे में एक प्रश्न पूछा जाना आवश्यक है |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी कहानी – डॉ . इन्द्रनाथ मदान , राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली|
2. हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना ,राजेन्द्र यादव ,नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली|
3. हिन्दी कहानी का इतिहास – गोपालराय , राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली|
4. नई कहानी : पुनर्विचार :- मधुरेश , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली |
5. कहानी की कहानी : डॉ .नामवर सिंह ,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद |
6. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया , डॉ. आनन्द प्रकाश ,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद |

बी .ए .सेमेस्टर – 1

सहायक: हिन्दी (द्वितीय गौण)

प्रश्न पत्र : S.S.सहायक : हिन्दी (द्वितीय गौण - भाग – 1)

प्रतिपाद्य :

हिंदीत्तर विषय के छात्रों में हिन्दी विषय के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने हेतु इस प्रश्न पत्र का अभ्यास आवश्यक है | हिन्दी आधुनिक कहानी में व्यक्त सामाजिक वास्तविकताएँ ,सामाजिक जीवन ,मानव मन की अतल गहराइयों की अभिव्यक्ति एवम नाना प्रकार की अभिव्यक्तियों का सफल आकलन हिन्दी कहानी का वैशिष्ट्य है | छात्रों को इससे अवगत कराना आवश्यक है |

पाठ्य पुस्तक : कथायात्रा : सं – डॉ . आलोक गुप्त ,पार्श्व पब्लिकेशन ,अहमदाबाद |

पाठयवस्तु :

युनिट :1 सर्जकों के व्यक्तित्व – कृतित्व का विशद परिचय	कक्षा अध्यापन – 9 घंटे , अंक -14
युनिट :2 ' ठाकुर का कुआँ ' – प्रेमचंद ;' दुःख ' - यशपाल	कक्षा अध्यापन – 9 घंटे , अंक -14
युनिट :3 ' खितिन बाबु ' –अज्ञेय ; ' पंच लाईट ' , रेणु	कक्षा अध्यापन – 9 घंटे , अंक -14
युनिट :4 ' चीफ की दावत' – भीष्म साहनी ; ' दोपहर का भोजन , - अमरकांत	कक्षा अध्यापन – 9 घंटे , अंक -14
युनिट :5 उपर्युक्त रचनाओं के सन्दर्भ में ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियाँ हेतु अध्यापन	कक्षा अध्यापन – 9 घंटे , अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

(१) चार में से दो स-सन्दर्भ व्याख्या	(7 x 2) =	14 अंक
(२) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न		14 अंक
(३) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न		14 अंक
(४) दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न		14 अंक
(५) चार में से दो टिप्पणियाँ	(7 x 2) =	14 अंक

:- लिखित परीक्षा : 70 अंक और आंतरिक परीक्षा 30 अंक = 70+30 = 100

:- आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक विश्वविध्यलिय के मानदंड पर आधारित |

टिप्पणी में रचनाकार के बारे में एक प्रश्न पूछा जाना आवश्यक है

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. नई कहानी : पुनर्विचार :- मधुरेश , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली |
2. कहानी की कहानी : डॉ.नामवर सिंह ,लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद|
3. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया ,डॉ. आनन्द प्रकाश ,लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद|
4. हिन्दी कहानी एक अंतर्यात्रा ,डॉ. रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली |
6. आज की कहानी : डॉ.के .एम. मालती, लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद|

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-1 SYLLABUS

Foundation Course Part-1

(हिन्दी प्रवेश भाग-1) **70 अंक**

प्रतिपाद्य :-

छात्रों के मानस में हिन्दी के प्रति लगाव बना रहे तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य विषयक प्रारम्भिक व अनिवार्य जानकारी से अवगत हो इसलिए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है | वर्ण से अर्थ ग्रहण तक की प्रक्रिया में प्रयुक्त सारे शब्दों की व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त कर सकें | साहित्यिक विधाओं के प्रति छात्रों का रुझान बलवत्तर हो यह प्रस्तुत पाठ्यक्रम का लक्ष्य है |

पाठ्यवस्तु : गद्य परिमल : सं. सुभाष तलेकर , जगत भारती प्रकाशन इलाहाबाद

युनिट - 1. कहानी : 1. हार की जीत - सुदर्शन
2. परीक्षा - प्रेमचंद — कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट - 2. हास्य व्यंग्य लेख : 1. समय नहीं मिला - श्रीमन्नारायण अग्रवाल
2. वैश्विक गाँव के व्यापारी - ज्ञान चतुर्वेदी — कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट - 3. भाषा ज्ञान : 1. वर्ण व्यवस्था - संकल्पना - स्वरूप- प्रकार
2. संज्ञा-परिभाषा - स्वरूप-प्रकार — कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट - 4. भाषा ज्ञान : 1. सर्वनाम - परिभाषा-स्वरूप-प्रकार
2. विशेषण - परिभाषा- स्वरूप - प्रकार | — कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट - 5. उपर्युक्त पाठ्यवस्तु पर आधारित टिप्पणियाँ — कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

आतंरिक मूल्यांकन : अंक : 30

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
2. कहानी - नई कहानी - डॉ.नामवरसिंह
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
4. हिन्दी कहानी अंतरंग पहचान - डॉ.रामदरश मिश्र
5. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना - डॉ.हरदेव बाहरी
6. मानक हिन्दी व्याकरण - डॉ. एच.आर.मित्र - □लाहाबाद |

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-1 SYLLABUS

Soft Skill Course – 1

हिन्दी लेखन कौशल भाग – 1 **70 अंक**

प्रतिपाद्य :-

भूमंडलीकरण एवं उदारणीकरण के दौर में बहुआयामी वश्विक व्यापारी मण्डलों को एवं इलेक्ट्रोनिक्स जगत से जुड़ें रहने के लिए लोगों को लोगों की जबान में कहने-सुनने की आवश्यकता हेतु छात्रों को हिन्दी भाषा के लेखन-कौशल की तालीम अनिवार्य ह अपनी बात सरल शब्दावली युक्त, सरल वाक्यों में सहजता से प्रस्तुत कर सके इसलिए दनदिनी आवश्यकता अनुसार लेखन अभिव्यक्ति के विकास हेतु यह पाठ्यक्रम तयार किया गया ह

पाठ्यवस्तु : हिन्दी लेखन-कौशल भाग - 1

युनि : 1. सामाजिक पत्राचार

विभिन्न सामाजिक सन्दर्भों, जरूरतों के सन्दर्भ में पारिवारिक एवं औपचारिक पत्राचार |

स्वरूप का परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनि : 2. वेदन पत्र - प्रतिवेदन

विविध वश्यकताएँ एवं नौकरी हेतु वेदन पत्र |

स्वरूपका परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनि : 3. मुद्दों पर से कहानी |

स्वरूप, परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

यूनि : 4. अपठित गद्यांश धारित प्रश्नोत्तर |

स्वरूप, परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

यूनि : 5. हिन्दी कहावतें एवं मुहावरें |

अर्थ, स्वरूप एवं वाक्य प्रयोग |

निर्धारित सुची के धार पर | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

आतंरिक मूल्यांकन : अंक : 30

सन्दर्भ :-

1. धुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद |
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना - डॉ.हरदेव बाहरी |
3. मानक हिन्दी व्याकरण - डॉ.एच. र.मित्र, गंगा - यमुना प्रकाशन |
4 .प्रयोजन मूलक हिन्दी -प्रो .रमेश जन

बी.ए.सेम. -१ सॉफ्ट स्किल भाग - १ यूनिट : ५ कहावतें-मुहावरें निर्धारित सुची

कहावतें

१. अपनी करनी पार उतरनी	- अपने किये कर्मो का स्वयं फल भोगना ।
२. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता	- अकेला आदमी कुछ नहीं कर सकता ।
३. अन्धे के हाथ बटेर लगना	- अपना कार्य खुद करना ही अच्छा है ।
४. जिसकी लाठी उसकी भैंस	- ताकतवर की ही सम्पत्ति होती है ।
५. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे	- अपराध स्वीकार न करना और उल्टे क्रोध करना ।
६. अधजल गगरी छलकत जाय	- अधूरे ज्ञान को बढ़ा-चढ़ाकर प्रदर्शन करना ।
७. कंगाल में आटा गीला	- विपत्ति पर विपत्ति आना ।
८. खोदा पहाड़ निकली चुहिया	- अधिक परिश्रम से कम लाभ ।
९. घर की मुर्गी दाल बराबर	- सहज में प्राप्त वस्तु का आदर नहीं होता ।
१०. नाच न आँवे आँगन टेढ़ा	- काम न जानने पर वस्तु में दोष निकालना ।
११. सिर मुंड़ाते ओले पड़ना	- कार्य के आरम्भ में विघ्न आना ।
१२. सीधी अंगुली से घी नहीं निकलता	- सीधेपन से काम नहीं चलता ।
१३. तीन लोक से मथुरा न्यारी	- स्वतंत्र और अलग विचार रखना ।
१४. मन चंगा तो कठौती में गंगा	- मन पवित्र है तो घर ही तीर्थ है ।
१५. अन्धा पीसे कुत्ता खाये	- मुर्ख या सीधे-सरल व्यक्ति का धन दूसरे खा जाते है
१६. ऊँट के मुँह में जीरा	- आवश्यकता से बहुत कम वस्तु ।
१७. ऊँची दुकान फीके पकवान	- केवल बाहरी दिखावा ।
१८. गंगा गये गंगादास जमुना गये जमुनादास-	अवसरवादी नेता ।
१९. गधा खेत खाये दुलाहा पीटा जाये	- अपराध कोई करें सजा कोई पाये ।
२०. एक अनार सौ बीमार	- वस्तु कम और प्रयोक्ता अधिक ।
२१. गरजे सो बरसे नहीं	- बहुत शोर मचानेवाला कुछ नहीं करता है ।
२२. थोथा चना बाजे घना	- समजहीन व्यक्ति ही अधिक आड़म्बर करता है ।
२३. पानी में रहकर मगर से बैर	- आश्रयदाता से ही शत्रुता करना ।

२४. भागते भूत की लंगोटी भली	-	सर्वनाश के समय यदि थोड़ी भी बचे तो ठीक है ।
२५. जहाँ जाय भूखा, वहाँ पड़े सूखा	-	दुःखी व्यक्ति कहीं भी आराम नहीं पा सकता ।
२६. चोरी का माल मोरी में जाता है	-	चुराई हुई दौलत बेकार जाती है ।
२७. मन के हारे हार है मन के जीते जीत	-	साहस बनाये रखना आवश्यक होता है ।
२८. देसी कौवा मराठी बोल	-	अशिक्षित व्यक्ति का ऊँची - ऊँची बाते करना ।
२९. अपना हाथ जगन्नाथ	-	श्रम ही ईश्वर का रूप है ।
३०. नीम हकीम खतरा ए जान	-	अधूरा ज्ञान खतरनाक होता हैं ।
३१. आम के आम गुठली के दाम	-	दुगुना लाभ होना ।
३२. अंगुली पकड़कर पहुँचा पकड़ना	-	धीरे-धीरे हिम्मत बढ़ना ।
३३. एक तो करेला दूसरा नीम चढा	-	बुरे को बुरे का संग मिलना ।
३४. कभी नाव गाड़ी पर कभी गाड़ी नाव पर-		परिस्थितियों में परिवर्तन होना ।
३५. कहाँ राजा भोज कहाँ गंगु तेली	-	छोटे का मिलन बड़े से नहीं होता ।
३६. गुरू गुड़ चेला शक्कर	-	गुरू से शिष्य का आगे निकल जाना ।
३७. गोद में लड़का शहर में ढिंढोरा	-	पास में रखी चीज को चारो तरफ ढूँढ़ना ।
३८. घरका भेदी लंका ढाहे	-	आपसी फुट से हानि ।
३९. चोर की दाढ़ी में तिनका	-	अपराधी स्वयं डरता हैं ।
४० चोर चोर मौसेरे भाई	-	एक तरह के पेशेवाले आसानी से आपस में मिल जाते हैं ।
४१. धोबी का कुत्ता, न घरका न घाटका	-	निकम्मा बेठिकाना आदमी ।
४२ न रहे बाँस न बजे बाँसुरी	-	निर्मूल करना ।
४३. मुँह में राम बगल में छुरी	-	कपटी आदमी ।
४४. मिया की दौड़ मस्जिद तक	-	सीमित क्षेत्र तक प्रवेश ।
४५. रस्सी जल गयी पर बल न गया	-	बुरी हालत होने पर ऐठ बनी रहना ।
४६. हाथ कंगन को आरसी क्या	-	प्रत्यक्ष के लिए प्रमाण क्या ।
४७. हीरे की परख जोहरी जाने	-	गुणी ही किसी वस्तु का गुण पहचान सकता है ।
४८. बहती गंगामें हाथ धोना	-	समय से लाभ उठाना ।
४९. सावन हरे न भादों सुखे	-	सदा एक समान ।
५०. अपनी गली में कुत्ता भी शेर	-	अपने स्थान पर कमजोर भी बलवान हो जाते है ।

:: मुहावरें ::

१. अंगूठा दिखाना	-	इनकार कर देना ।
२. आँखें खुलना	-	होंश में आना ।
३. आँखों में धूल झोकना	-	धोखा देना ।
४. आड़े हाथों लेना	-	डाँटना - फटकारना ।
५. बाल बाँका न होना	-	कुछ भी अनिष्ट न होना ।
६. हाथ पर हाथ धरकर बैठना	-	निष्क्रिय बन जाना ।
७. लोहे के चने चबाना	-	बेहद मुश्किल कार्य करना ।
८. ईद का चाँद होना	-	बहुत समय बाद दिखाई देना ।
९. सिर पर कफन बाँधना	-	मरने को तैयार रहना ।
१०. काया पलट होना	-	सर्वथा बदल जाना ।
११. छप्पर फाड़ कर देना	-	अचानक लाभ होना ।
१२. जान पर खेलना	-	साहसिक कार्य करना ।
१३. नौ दो ग्यारह होना	-	भाग जाना ।
१४. ओखली में सिर देना	-	जानबूझकर संकट मोल लेना ।
१५. कदम चुमना	-	चापलूसी करना ।
१६. गुदड़ी के लाल	-	गरीब के घर गुणवान का होना ।
१७. अरण्य रोदन	-	व्यर्थ प्रलाप करना ।
१८. चिराग तले अंधेरा	-	बुराई का निकट ही विकसित होना ।
१९. चुल्लूभर पानी में डूब मरना	-	अति लज्जा की बात होना ।
२०. दो टूक बात करना	-	स्पष्ट कह देना ।
२१. सिक्का जमाना	-	प्रभावित करना ।
२२. हाथ का मैल	-	तुच्छ वस्तु होना ।
२३. सर आँखों पर बैठाना	-	बहुत आदर-सत्कार करना ।
२४. लाल-पीला होना	-	गुस्सा होना ।
२५. गुड़-गोबर करना	-	सब किया कराया नष्ट या बर्बाद करना ।
२६. घी के दिये जलाना	-	खुशियाँ मनाना ।

२७. छक्के छुड़ाना	-	वीरता के साथ लड़ना ।
२८. चूड़ियाँ पहनना	-	पौरूषहीनता स्वीकार करना ।
२९. तलवार की धार पर चलना	-	जोखिम भरा काम करना ।
३०. नाक कटना	-	इज्जत बिगड़ना ।
३१. दाल न गलना	-	चाल सफल न होना ।
३२. फूले न समाना	-	बहुत खुश होना ।
३३. हथियार डालना	-	आत्मसमर्पण करना ।
३४. लकीर का फकीर	-	परम्परा प्रेमी, पुरातन पंथी, रूढ़िवादी होना ।
३५. बोलती बन्द होना	-	निरूत्तर होना ।
३६. रोंगटे खड़े होना	-	अत्यन्त भयभीत होना ।
३७. गड़े मुर्दे उखाड़ना	-	बीती बातें याद करना ।
३८. चोली दामन का साथ	-	घनिष्टता होना ।
३९. राइ का पहाड़ बनाना	-	जरा सी बात को खूब बढाना ।
४०. पलक न झपना	-	निंद न आना ।
४१. लोहा लेना	-	डट कर मुकाबला करना ।
४२. आग बबूला होना	-	अत्यन्त क्रोधित होना ।
४३. खाल उतारना	-	खूब पिटाई करना ।
४४. हृदय पिघलना	-	दया आना ।
४५. आकाश - पाताल चीरना	-	रहस्य ढूँढ निकालना ।
४६. दामन फैलाना	-	मदद माँगना ।
४७. ईंट का जवाब पत्थर से देना	-	आक्रमण करनेवाले को मजा चखाना ।
४८. जली - कटी सुनाना	-	भला - बूरा कहना ।
४९. नानी याद आना	-	घबराजाना ।
५०. माई का लाल	-	बहादुर होना ।

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-2 Programme

क्रम.	SUBJECT CODE	प्रश्नपत्र का नाम	क्रेडिट	कक्षा अध्यापन	सतत सर्वग्राही मूल्यांकन अंक	यूनिवर्सिटी परीक्षा अंक	कुल अंक	परीक्षा समय
1.	22128	Core Compusory अनिवार्य हिन्दी सत्र-2	03	03	30	70	100	२ घंटे
2.	22129	Core Course Paper No.HIN.C.C.- आधुनिक हिन्दी काव्य सत्र -2	03	03	30	70	100	२ घंटे
3.	22130	Core Course- Paper No.HIN.C.C.- आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य–सत्र -2	03	03	30	70	100	२ घंटे
4.	22131	Elective Course -1 Paper No.HIN.E.C.- आधुनिक हिन्दी काव्य सत्र-2	03	03	30	70	100	२ घंटे
5.	22132	Elective Course -1 Paper No.HIN.E.C.- आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य-सत्र-2	03	03	30	70	100	२ घंटे
6.	22133	Elective Course -2 Paper No.HIN.S.E.- आधुनिक हिन्दी कहानी सत्र-2	03	03	30	70	100	२ घंटे
7.	22134	Foundation Course Paper No.HIN.F.C.- हिन्दी प्रवेश सत्र -2	02	02	30	70	100	२ घंटे
8.	22135	Soft Skill Paper No.HIN.S.S.-- हिन्दी लेखन कौशल सत्र -2	02	02	30	70	100	२ घंटे
9.		जोड़	22	22	240	560	800	16 घंटे

बी .ए . सेमेस्टर – 2

अनिवार्य हिन्दी

प्रतिपाद्य :

मनुष्य जीवन की स्थितियों और विसंगतियों की पहचान आज की कहानियों का महत्वपूर्ण विषय है | आधुनिक कहानीकारों ने कहानी को मनुष्य जीवन के बुनियादी सवालों से जोड़ने का रचनात्मक दायित्व प्रमाणिकता से पूरा किया है | कथ्य के साथ कहानी में शिल्पगत परिवर्तन भी हुआ है | इस दृष्टि से इस प्रश्नपत्र का अध्ययन अपेक्षित है |

पाठ्यपुस्तक :

कहानी नई पुरानी
संपादक : सोमेश्वर पुरोहित
नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद

कहानी :

1. परदा - यशपाल
2. सेव और देव - अज्ञेय
3. गदल - रांगेय राघव
4. मलबे का मालिक - मोहन राकेश
5. भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई
6. साँप - कमलेश्वर

पाठ्यवस्तु विवरण :

युनिट : 1. 1. परदा - यशपाल
2. सेव और देव - अज्ञेय
3. गदल - रांगेय राघव — कक्षा अध्ययन 9 घंटे, अंक 14

युनिट : 2. 4. मलबे का मालिक - मोहन राकेश
5. भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई
6. साँप - कमलेश्वर — कक्षा अध्ययन 9 घंटे, अंक 14

युनिट : 3. पठित कहानियों में से संबंधित स-संदर्भ व्याख्या तथा टिप्पणियों का कक्षा अध्यापन | — कक्षा अध्ययन 9 घंटे, अंक 14

युनिट : 4. लिंग, वचन एवं विशेषण का परिचयात्मक अध्ययन | — कक्षा अध्ययन 9 घंटे, अंक 14

युनिट : 5. कहावतें और मुहावरों का कक्षा अध्यापन | — कक्षा अध्ययन 9 घंटे, अंक 14

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप</u> :

1. पठित कहानियों में से संबंधित स-संदर्भ व्याख्या | (चार में से दो) अंक : 14
2. पठित कहानियों में से □लोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक : 14
3. लिंग, वचन और विशेषण में से किसी एक को लेकर □लोचनात्मक प्रश्न |
   अथवा
   लिंग, वचन और विशेषण की पहचान सूचनानुसार कीजिए | (दस में से सात) अंक : 14
4. कहावतों और मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग | (कोई सात) अंक :14
   निर्धारित सूची के अनुसार |
5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो) अंक :14

:- लिखित परीक्षा 70 अंक और आंतरिक परीक्षा 30 अंक = 70+30 = 100

:- आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक विश्वविध्यालय के मानदंड पर □धारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ , सुरेश चौधरी , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |
2. कहानी नई पुरानी , डॉ.नामवर सिंह , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली |
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृत्ति , देवीशंकर अवस्थी , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |
4. नई कहानी की विकास प्रक्रिया , डॉ.आनंद प्रकाश , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी कहानी , डॉ,लक्ष्मीनारायण लाल , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली |
6. हिन्दी कहानी का इतिहास , लालचंद गुप्त , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |
7. हिन्दी की चर्चित कहानियों का पुनःमूल्यांकन , डॉ.कुसुम वार्ष्णेय , साहित्य भवन ,इलाहाबाद |

सूचना : युनिट-5 के लिए कहावतें और मुहावरें की सूची संलग्न है |

बी.ए.सेम. -१ सॉफ्ट स्किल भाग - १ यूनिट : ५ कहावतें-मुहावरें निर्धारित सुची

कहावतें

१. अपनी करनी पार उतरनी	- अपने किये कर्मों का स्वयं फल भोगना ।
२. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता	- अकेला आदमी कुछ नहीं कर सकता ।
३. अन्धे के हाथ बटेर लगना	- अपना कार्य खुद करना ही अच्छा है ।
४. जिसकी लाठी उसकी भैंस	- ताकतवर की ही सम्पत्ति होती है ।
५. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे	- अपराध स्वीकार न करना और उल्टे क्रोध करना ।
६. अधजल गगरी छलकत जाय	- अधूरे ज्ञान को बढ़ा-चढ़ाकर प्रदर्शन करना ।
७. कंगाल में आटा गीला	- विपत्ति पर विपत्ति आना ।
८. खोदा पहाड़ निकली चुहिया	- अधिक परिश्रम से कम लाभ ।
९. घर की मुर्गी दाल बराबर	- सहज में प्राप्त वस्तु का आदर नहीं होता ।
१०. नाच न आँवे आँगन टेढ़ा	- काम न जानने पर वस्तु में दोष निकालना ।
११. सिर मुंड़ाते ओले पड़ना	- कार्य के आरम्भ में विघ्न आना ।
१२. सीधी अंगुली से घी नहीं निकलता	- सीधेपन से काम नहीं चलता ।
१३. तीन लोक से मथुरा न्यारी	- स्वतंत्र और अलग विचार रखना ।
१४. मन चंगा तो कठौती में गंगा	- मन पवित्र है तो घर ही तीर्थ है ।
१५. अन्धा पीसे कुत्ता खाये	- मुर्ख या सीधे-सरल व्यक्ति का धन दूसरे खा जाते है
१६. ऊँट के मुँह मे जीरा	- आवश्यकता से बहुत कम वस्तु ।
१७. ऊँची दुकान फीके पकवान	- केवल बाहरी दिखावा ।
१८. गंगा गये गंगादास जमुना गये जमुनादास	- अवसरवादी नेता ।
१९. गधा खेत खाये दुलाहा पीटा जाये	- अपराध कोई करें सजा कोई पाये ।
२०. एक अनार सौ बीमार	- वस्तु कम और प्रयोक्ता अधिक ।
२१. गरजे सो बरसे नहीं	- बहुत शोर मचानेवाला कुछ नहीं करता है ।
२२. थोथा चना बाजे घना	- समजहीन व्यक्ति ही अधिक आड़म्बर करता है ।
२३. पानी में रहकर मगर से बैर	- आश्रयदाता से ही शत्रुता करना ।

२४. भागते भूत की लंगोटी भली	-	सर्वनाश के समय यदि थोड़ी भी बचे तो ठीक है ।
२५. जहाँ जाय भूखा, वहाँ पड़े सूखा	-	दुःखी व्यक्ति कहीं भी आराम नहीं पा सकता ।
२६. चोरी का माल मोरी में जाता है	-	चुराई हुई दौलत बेकार जाती है ।
२७. मन के हारे हार है मन के जीते जीत	-	साहस बनाये रखना आवश्यक होता है ।
२८. देसी कौवा मराठी बोल	-	अशिक्षित व्यक्ति का ऊँची - ऊँची बाते करना ।
२९. अपना हाथ जगन्नाथ	-	श्रम ही ईश्वर का रूप है ।
३०. नीम हकीम खतरा ए जान	-	अधूरा ज्ञान खतरनाक होता हैं ।
३१. आम के आम गुठली के दाम	-	दुगुना लाभ होना ।
३२. अंगुली पकड़कर पहुँचा पकड़ना	-	धीरे-धीरे हिम्मत बढ़ना ।
३३. एक तो करेला दूसरा नीम चढा	-	बुरे को बुरे का संग मिलना ।
३४. कभी नाव गाड़ी पर कभी गाड़ी नाव पर-		परिस्थितियों में परिवर्तन होना ।
३५. कहाँ राजा भोज कहाँ गंगु तेली	-	छोटे का मिलन बड़े से नहीं होता ।
३६. गुरू गुड़ चेला शक्कर	-	गुरू से शिष्य का आगे निकल जाना ।
३७. गोद में लड़का शहर में ढिंढोरा	-	पास में रखी चीज को चारो तरफ ढूँढ़ना ।
३८. घरका भेदी लंका ढाहे	-	आपसी फुट से हानि ।
३९. चोर की दाढ़ी में तिनका	-	अपराधी स्वयं डरता हैं ।
४० चोर चोर मौसेरे भाई	-	एक तरह के पेशेवाले आसानी से आपस में मिल जाते हैं ।
४१. धोबी का कुत्ता, न घरका न घाटका	-	निकम्मा बेठिकाना आदमी ।
४२ न रहे बाँस न बजे बाँसुरी	-	निर्मूल करना ।
४३. मुँह में राम बगल में छुरी	-	कपटी आदमी ।
४४. मिया की दौड़ मस्जिद तक	-	सीमित क्षेत्र तक प्रवेश ।
४५. रस्सी जल गयी पर बल न गया	-	बुरी हालत होने पर ऐठ बनी रहना ।
४६. हाथ कंगन को आरसी क्या	-	प्रत्यक्ष के लिए प्रमाण क्या ।
४७. हीरे की परख जोहरी जाने	-	गुणी ही किसी वस्तु का गुण पहचान सकता है ।
४८. बहती गंगामें हाथ धोना	-	समय से लाभ उठाना ।
४९. सावन हरे न भादों सुखे	-	सदा एक समान ।
५०. अपनी गली में कुत्ता भी शेर	-	अपने स्थान पर कमजोर भी बलवान हो जाते है ।

:: मुहावरे ::

१. अंगुठा दिखाना	-	इनकार कर देना ।
२. आँखें खुलना	-	होंश में आना ।
३. आँखों में धूल झोकना	-	धोखा देना ।
४. आड़े हाथों लेना	-	डाँटना - फटकारना ।
५. बाल बाँका न होना	-	कुछ भी अनिष्ट न होना ।
६. हाथ पर हाथ धरकर बैठना	-	निष्क्रिय बन जाना ।
७. लोहे के चने चबाना	-	बेहद मुश्किल कार्य करना ।
८. ईद का चाँद होना	-	बहुत समय बाद दिखाई देना ।
९. सिर पर कफन बाँधना	-	मरने को तैयार रहना ।
१०. काया पलट होना	-	सर्वथा बदल जाना ।
११. छप्पर फाड़ कर देना	-	अचानक लाभ होना ।
१२. जान पर खेलना	-	साहसिक कार्य करना ।
१३. नौ दो ग्यारह होना	-	भाग जाना ।
१४. ओखली में सिर देना	-	जानबूझकर संकट मोल लेना ।
१५. कदम चुमना	-	चापलूसी करना ।
१६. गुदडी के लाल	-	गरीब के घर गुणवान का होना ।
१७. अरण्य रोदन	-	व्यर्थ प्रलाप करना ।
१८. चिराग तले अंधेरा	-	बुराई का निकट ही विकसित होना ।
१९. चुल्लूभर पानी में डूब मरना	-	अति लज्जा की बात होना ।
२०. दो टुक बात करना	-	स्पष्ट कह देना ।
२१. सिक्का जमाना	-	प्रभावित करना ।
२२. हाथ का मैल	-	तुच्छ वस्तु होना ।
२३. सर आँखों पर बैठाना	-	बहुत आदर-सत्कार करना ।
२४. लाल-पीला होना	-	गुस्सा होना ।
२५. गुड़-गोबर करना	-	सब किया कराया नष्ट या बर्बाद करना ।
२६. घी के दिये जलाना	-	खुशियाँ मनाना ।

२७. छक्के छुडाना	-	वीरता के साथ लड़ना ।
२८. चूड़ियाँ पहनना	-	पौरूषहीनता स्वीकार करना ।
२९. तलवार की धार पर चलना	-	जोखिम भरा काम करना ।
३०. नाक कटना	-	इज्जत बिगड़ना ।
३१. दाल न गलना	-	चाल सफल न होना ।
३२. फूले न समाना	-	बहुत खुश होना ।
३३. हथियार डालना	-	आत्मसमर्पण करना ।
३४. लकीर का फकीर	-	परम्परा प्रेमी, पुरातन पंथी, रूढ़िवादी होना ।
३५. बोलती बन्द होना	-	निरूत्तर होना ।
३६. रोंगटे खड़े होना	-	अत्यन्त भयभीत होना ।
३७. गड़े मुर्दे उखाड़ना	-	बीती बातें याद करना ।
३८. चोली दामन का साथ	-	घनिष्टता होना ।
३९. राइ का पहाड़ बनाना	-	जरा सी बात को खूब बढाना ।
४०. पलक न झपना	-	निंद न आना ।
४१. लोहा लेना	-	डट कर मुकाबला करना ।
४२. आग बबूला होना	-	अत्यन्त क्रोधित होना ।
४३. खाल उतारना	-	खूब पिटाई करना ।
४४. हृदय पिघलना	-	दया आना ।
४५. आकाश - पाताल चीरना	-	रहस्य ढूँढ निकालना ।
४६. दामन फैलाना	-	मदद माँगना ।
४७. ईंट का जवाब पत्थर से देना	-	आक्रमण करनेवाले को मजा चखाना ।
४८. जली - कटी सुनाना	-	भला - बूरा कहना ।
४९. नानी याद आना	-	घबराजाना ।
५०. माई का लाल	-	बहादुर होना ।

बी.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-2

प्रश्नपत्र-3. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य

मुख्य एवं प्रथम गौण

प्रतिपाद्य :

आधुनिक हिन्दी कविता के परिवर्तनशील प्रवाहो में छायावादोत्तर कविता का विशिष्ट स्थान रहा है | प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी कविताओं का संवेदन पक्ष एवं शिल्प के आधार पर अंदाज कुछ अलग ही है | हिन्दी साहित्य की काव्यधारा में इस नये प्रवाह की कविताओं और कवियों की लाक्षणिकताओं से छात्रों को अवगत कराना आवश्यक है | छात्र इन काव्यधाराओं से परिचित होकर हिन्दी काव्य की श्रीवृद्धि से परिचित होंगे |

पाठ्यपुस्तक : 1. छायावादयुगीन कविताएँ- संपादक- डॉ.ओमप्रकाश गुप्ता
ध्रुमिल पब्लिकेशन 103, नंदन कोम्प्लेक्ष मिठाखली, अहमदाबाद-06
2. आँसू- जयशंकर प्रसाद, मयूर पेपरबेकस, ए-95, सेक्टर-5, नोएडा-1

युनिट-1 1.1 जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
1.2 ' आँसू ' का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2 2.1 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
2.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) भारती वंदना 2) वसंत आया
3) जूही की कली 4) तोड़ती पत्थर

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3 3.1 माखनलाल चतुर्वेदी के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
3.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) तुम मिले 2) युग पुरुष
3) पुष्प की अभिलाषा 4) अंगुलियाँ आज क्षितिज छू लेगी |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 4.1 सुभद्राकुमारी कुमारी चौहान के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
4.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) मुरजाया फूल 2) मेरा नया बचपन
3) वीरों का कैसा हो वसंत 4) ठुकरा दो या प्यार करो

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-5 उपर्युक्त रचनाकारों की रचनाओं में से ससंदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न 1. उक्त चारों कवियों की पठित कविताओं में से एक-एक ससंदर्भ | चार में से किन्हीं दो | अंक 14

प्रश्न.2. युनिट 1 में से आलोचनात्मक प्रश्न | दो में से एक | अंक 14

प्रश्न.3. युनिट 2 में से आलोचनात्मक प्रश्न | दो में से एक | अंक 14

प्रश्न.4. युनिट 3 में से आलोचनात्मक प्रश्न | दो में से एक | अंक 14

प्रश्न.5. टिप्पणियाँ | चार में से दो | अंक 14

(टिप्पण के लिए युनिट 4 में से तथा एक टिप्पण अनिवार्य रूप से उक्त रचनाकारों के व्यक्तित्व-कृतित्व से पूछ जाएग |)

कुल अंक : 70

आतंरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

संदर्भ ग्रन्थ :

1. अधुनातन आकलन : पन्त,प्रसाद,निराला, रामप्रसाद मिश्र, भारत य ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ल |
2. छायावाद कवियों का सौन्दर्य विधान, डॉ.द क्षित, भारत य ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ल |
3. छायावाद और उसके कवि, डॉ.इन्द्रराज सिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ल |
4. वैयक्तिक चेतना की कविता, डॉ.द्वारकाप्रसाद साँच हर, चिंता प्रकाशन, पिलान (राज)31 |
5. आधुनिक कवि (अरुण कमल-भारतेन्दु), विश्वंभर मानव, लोकभारत प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. आधुनिक हिन्द कविता : सृजनात्मक संदर्भ, डॉ.रामदरश मिश्र, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ल -31 |
7. हिन्द के प्रमुख कवि : रचना और शिल्प, डॉ.अरविंद पाण्डेय, अनुभव प्रकाशन, कानपुर-01 |
8. हिन्द कविता का वैयक्तिक परिप्रेक्ष्य, राम कमल राय, लोकभारत प्रकाशन इलाहाबाद |

बी .ए . सेमेस्टर – 2

मुख्य एवम् प्रथम गौण: हिन्दी

प्रश्न पत्र – 4 (आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य - भाग – 2)

प्रतिपाद्य :

साहित्य स्वरूपों में उपन्यास की एक विशेष पहचान रही है | उपन्यासों के माध्यम से साहित्यकारों ने समाज की भिन्न भिन्न परिस्थितियों का वर्णन करते हुए समाज की वास्तविकताओं का परिचय देने का प्रयास किया है | उपन्यास को वर्तमान युग का महाकाव्य भी माना गया है | इस साहित्य स्वरूप से छात्रों का परिचित होना आवश्यक है | प्रस्तुत पाठ्यक्रम से छात्रों में उपन्यासों के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने का प्रयास है |

पाठ्यपुस्तक : गबन – मुंशी प्रेमचंद , ओरिएण्टल पब्लिशिंग , नई दिल्ली |

पाठ्यवस्तु :

युनिट – 1. उपन्यास साहित्य का स्वरूपगत अध्ययन और मुंशी प्रमचंद के व्यक्तित्व और कृतित्व का परिचयात्मक अध्ययन |
कक्षा अध्यापन : 9 घंटे , अंक :14

युनिट – 2. ' गबन ' उपन्यास के कथानक का अध्ययन तथा औपन्यासिक तत्वों के □धार पर ' गबन ' का अध्ययन |
कक्षा अध्यापन : 9 घंटे , अंक :14

युनिट – 3. ' गबन ' उपन्यास के मुख्य और गौण चरित्रों का अध्ययन तथा समस्याओं और शीर्षक का अध्ययन |
कक्षा अध्यापन : 9 घंटे , अंक :14

युनिट – 4. शब्द ज्ञान: पर्याय, विलोम, शब्द समूह (निर्धारित सूचि में से)
कक्षा अध्यापन : 9 घंटे , अंक :14

युनिट – 5. उपर्युक्त रचना के सन्दर्भ में ससंदर्भ व्यख्या एवम् टिप्पणियाँ हेतु कक्षागत अध्यापन | कक्षा अध्यापन : 9 घंटे , अंक :14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) चार में से दो स-सन्दर्भ व्याख्या | (7 x 2) = 14 अंक
(2) दो में से एक □लोचनात्मक प्रश्न | 14 अंक
(3) दो में से एक □लोचनात्मक प्रश्न | 14 अंक
(4) सूचना के अनुसार कीजिए : 14 अंक

1. पर्याय शब्द (सात में से पाँच)।
2. विलोम शब्द (सात में से पाँच)।
3. शब्द समूह के लिए एक एक शब्द (छ: में से चार)।

(5) चार में से दो टिप्पणियाँ | (7 x 2) = 14 अंक

कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड □धारित |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख , सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदान ,भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली |
2. प्रेमचंद : एक विवेचन , डॉ. इन्द्रनाथ मदान ,राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली |
3. प्रेमचंद और उनका युग , डॉ .रामविलास शर्मा ,राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |
4. प्रेमचंद का पुनर्मुल्यांकन : शम्भुनाथ , नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,दिल्ली |
5. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : रामदरश मिश्र –गिरनार प्रकाशन , मेहसाना |

बी .ए . सेमेस्टर – 2

सहायक: हिन्दी (द्वितीय गौण)

प्रश्न पत्र: S.S.सहायक: हिन्दी (द्वितीय गौण- भाग – 2)

प्रतिपाद्य :

हिंदीत्तर विषय के छात्रों में हिन्दी विषय के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने हेतु इस प्रश्न पत्र का अभ्यास आवश्यक है | हिन्दी आधुनिक कहानी में व्यक्त सामाजिक वास्तविकताएँ ,सामाजिक जीवन ,मानव मन की अतल गहराइयों की अभिव्यक्ति एवम नाना प्रकार की अभिव्यक्तियों का सफल आकलन हिन्दी कहानी का वैशिष्ट्य है | अत: छात्रों को इससे अवगत करना आवश्यक है |

पाठ्य पुस्तक :

आठ अच्छी कहानियाँ , सं .मार्कण्डेय , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद |

पाठ्य वस्तु:

युनिट :1 सर्जकों के व्यक्तित्व – कृतित्व का विशद परिचय	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट :2 ' पंच परमेश्वर ' - प्रेमचंद ; ' शरणदाता ' - अज्ञेय	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट :3 ' अकेली ' - मन्नू भंडारी ; ' मवाली ' - मोहन राकेश	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट :4 सामाजिक पत्र लेखन तथा आवेदन पत्र	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट :5 उपर्युक्त रचनाओं के सन्दर्भ में ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियाँ	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(4) पत्र लेखन का प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(5) टिप्पणियाँ (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
		कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ:

1. नई कहानी : पुनर्विचार:- मधुरेश , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली |
2. कहानी की कहानी : डॉ .नामवर सिंह ,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद|
3. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया ,डॉ. आनन्द प्रकाश ,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
4. हिन्दी कहानी एक अंतर्यात्रा ,डॉ. रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ . लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली |
6. मार्कण्डेय का कथा साहित्य और ग्रामीण सरोकार,मोरे जिभऊ शामराव , भारतीय ग्रन्थ निकेतन ,नई दिल्ली |

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-2

Foundation Course (Sem.-2)

(हिन्दी प्रवेश सत्र-2)

प्रतिपाद्य :

छात्रों के मानस में हिन्दी के प्रति लगाव बना रहे तथा हिन्दी भाषा एवं साहित्य विषयक प्रारम्भिक व अनिवार्य जानकारी से अवगत हो इसलिए यह पाठ्यक्रम प्रस्तावित है | वर्ण से अर्थ ग्रहण तक की प्रक्रिया में प्रयुक्त सारे शब्दों की व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त कर सकें | साहित्यिक विधाओं के प्रति छात्रों का रुझान बलवत्तर हो यह प्रस्तुत पाठ्यक्रम का लक्ष्य है |

पाठ्यवस्तु : गद्य परिमल सं. सुभाष तलेकर - सं. जगत भारती प्रकाशन इलाहाबाद

युनिट - 1. रेखाचित्र :	1. भक्तिन - महादेवी वर्मा	
	2. सुभान खाँ - रामवृक्ष बेनीपुरी	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट - 2. निबंध :	1. योग्यता और व्यवसाय - माधवराव सप्रे	
	2. पर्यावरण और सनातन दृष्टि - छगन मोहते	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट - 3. भाषा ज्ञान :	1. वाक्य : परिभाषा-प्रकार	
	2. वाक्य परिवर्तन {रूपांतरण }	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट - 4. भाषा ज्ञान :	1. लिंग, वचन, काल, कारक - परिभाषा एवं स्वरूप	
	2. विराम चिन्हों का परिचय |	कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14
युनिट - 5. उपर्युक्त पाठ्यवस्तु के आधार पर टिप्पणियाँ |		कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या| (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(4) पत्र लेखन का प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(5) टिप्पणियाँ | (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
		कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
2. कहानी - नई कहानी - डॉ.नामवरसिंह
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद
4. हिन्दी कहानी अंतरंग पहचान - डॉ.रामदरश मिश्र
5. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना - डॉ.हरदेव बाहरी
6. मानक हिन्दी व्याकरण - डॉ. एच.आर.मित्र - □लाहाबाद |

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-2

Soft Skill Course - 2

हिन्दी लेखन कौशल (सत्र – 2)

प्रतिपाद्य :

भूमंडलीकरण एवं उदारीकरण के दौर में बहुआयामी वैश्विक व्यापारी मण्डलों का इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया से जुड़ने के कारण लोगों को लोगों की जबान में कहना-सुनाना आवश्यक है | इस दृष्टि से हिन्दी भाषा के लेखन-कौशल का प्रशिक्षण अनिवार्य है | मीडिया के अनुसार लेखन-अभिव्यक्ति कौशल के विकास हेतु यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है |

पाठ्यवस्तु - (सूचना प्राद्योगिकी - इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया के सन्दर्भ में) |

युनि- 1. जनसंचार माध्यम : अर्थ, स्वरूप, प्रकार | कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14

युनि- 2. मुद्रित माध्यम : अर्थ, स्वरूप, प्रकार | कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14

युनि- 3. इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया : अर्थ, स्वरूप, प्रकार | कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14

युनि- 4. टेलीवीजन : अर्थ, स्वरूप एवं विकास | कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14

युनि- 5. - मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक्स माध्यमों की भाषा :

- समाचार पत्रों की भाषा : स्वरूप व विशेषताएँ आदि |
- रेडियो की भाषा : स्वरूप व विशेषताएँ आदि |
- दूरदर्शन की भाषा : स्वरूप व विशेषताएँ आदि | कक्षा अध्यापन -9 घंटे , अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या| (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(4) पत्र लेखन का प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(5) टिप्पणियाँ | (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
		कुल अंक : 70
आंतरिक मुल्यांकन :		कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ.अजयकुमारसिंह, लोकभारती प्रकाशन |
2. इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया एवं सूचना प्राद्योगिकी, डॉ.यु.सी गुप्ता, अर्जुन पब्लिकेशन |
3. हिन्दी भाषा के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान, डॉ.ए.एम. युसूफजई |
4. दृश्य -श्राव्य माध्यम लेखन -डॉ .राजेंद्र मिश्र -ईशिता मिश्र |
5. विश्व मिडिया बाज़ार -डॉ .कृष्ण कुमार रतु |

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Credit And Semester System Syllabus

B.A.

Name of The Subject : Hindi **SEMESTAR - 3rd**

Sr. No.	SUBJECT CODE	PAPER NO.	NAME OF THE PAPER	TOTAL MARKS EXT+ENT= TOTAL	PASSING STANDARD EXT+ENT= TOTAL	PASSING TEACHING HOURS	CREDITS
1	22136	HINCL303	अनिवार्य हिन्दी भाग-1 (निर्मला-व्याकरण रचना)	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
2	22137 22140	HINCC304 And HINEC1307	छायावादोत्तर हिन्दी कविता	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
3	22138 22141	HINCC305 And HINEC1308	आधुनिक हिन्दी नाटक	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
4	22139	HINCC306	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक एवं निर्गुण शाखा)	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
5	22142	HINEC2309	कथायात्रा	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-3
अनिवार्य हिन्दी भाग – 1

प्रतिपाद्य :-

उपन्यास की लोकप्रियता आज़ भी अक्षुण्ण है। हिन्दी साहित्य में भी उपन्यासकारों की लेखनी ने अपने उपन्यासों में समाज जीवन के यथार्थ व मानवानुभूतियों का सफल चित्रांकन किया है। समाज जीवन की परत-दर-परतें उद्घाटित करने वाले बेनमून उपन्यासों से हिन्दी व हिंदीत्तर विद्यार्थियों का परिचित होना अनिवार्य है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों मे उपन्यासों के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने का प्रयास है।

पाठ्यपुस्तक : **'त्यागपत्र' (उपन्यास) - जैनेंद्र।**
चंद्रकला प्रकाशन, पूणे।

युनिट-1 जैनेन्द्र के व्यक्तिव व कृतित्व का परिचयात्मक अध्यापन।
'त्यागपत्र' उपन्यास का औपन्यासिक तत्वों की दृष्टि से अध्यापन।
कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक - 14

युनिट-2 'त्यागपत्र' उपन्यास के प्रमुख तथा गौण चरित्रों का अध्यापन।
'त्यागपत्र' उपन्यास की प्रमुख समस्याओं का अध्यापन।
कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक - 14

युनिट-3 'त्यागपत्र' उपन्यास के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या का अध्यापन।
'त्यागपत्र' उपन्यास का अंत, शीर्षक, और उदेश्य का अध्यापन।
कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक -14

युनिट-4 शब्द ज्ञान का कक्षा अध्यापन।
पर्याय शब्द, विलोम शब्द, शब्द समुह के लिए एक शब्द।
कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक - 14

युनिट-5 रचना विभाग
5.1 सामाजिक पत्र लेखन।
5.2 अपठित गद्यांश के आधार पर प्रश्नो के उत्तर। कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक -14

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप</u> :

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न : 1 पाठ्यपुस्तक आधारित ससंदर्भ व्याख्या। (चार में से दो) अंक 14
प्रश्न : 2 पाठ्यपुस्तक आधारित आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14
प्रश्न : 3 सूचना के अनुसार कीजिए : अंक 14
1. पर्याय शब्द | (सात में से पाँच)
2. विलोम शब्द | (सात में से पाँच)
3. शब्द समूह के लिए एक एक शब्द | (छ: में से चार)
प्रश्न : 4 पत्र लेखन अथवा अपठित गद्यांश आधारित प्रश्न के उत्तर। अंक 14
प्रश्न : 5 पाठ्यपुस्तक आधारित टिप्पणियाँ | (चार में से दो) अंक 14
(एक टिप्पणी रचनाकार पर)

कुल : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - विश्वविध्यालय मानदंड आधारित 30 अंक

संदर्भ ग्रंथ :

1. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण—डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिन्दी रुप रचना,भाग-1 और 2 – जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

बी.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-3

प्रश्नपत्र-5. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य

मुख्य एवं प्रथम गौण

प्रतिपाद्य :

छायावादोत्तर हिन्दी काव्य एक नवीन भावभूमि एवं वैचारिक चेतना को लेकर अवतरित हुआ | यूरोप के रोमांटिसिज्म के प्रभाव स्वरूप जन्मे हिन्दी छायावादी काव्य के वैयक्तिक रागात्मकता एवं इतिवृत्तात्मकता के विरुद्ध एक नवीन भावभूमि से अनुप्राणित मानवीय संवेदना को छायावादोत्तर काव्य प्रस्तुत करता है | आधुनिक युग में हिन्दी के छात्र इन नवीन चिंतन से परिचित हों यह आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक : छायावादोत्तर हिन्दी कविता - संपादक- डॉ.आलोक गुप्त
जयभारती प्रकाशन 267-बी मुट्ठीगंज, माया प्रेस, इलाहाबाद-3

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 1.1 रामधारीसिंह दिनकर के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

1.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |

कविताएँ : 1) हिमालय 2) अनल किरीट

3) समर शेष है 4) परशुराम की प्रतीक्षा

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2 2.1 हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

2.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |

कविताएँ : 1) इस पार उस पार 2) आत्म परिचय

3) अँधेरे का दीपक 4) जो बीत गई सो बात गई

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3 3.1 शिवमंगल सिंह ' सुमन 'के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

3.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |

कविताएँ : 1) वरदान मागूँगा नहीं 2) आभार

3) पर आँखे नहीं भरी 4) मिट्टी की महिमा

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 4.1 नागार्जुन के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

4.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |

कविताएँ : 1) उनको प्रणाम 2) कालिदास

3) अकाल और उसके बाद 4) मास्टर

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-5 उपर्युक्त रचनाकारों की रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न 1. उक्त चारों कवियों की पठित कविताओं से एक-एक ससंदर्भ। चार में से किन्हीं दो।	अंक 14
प्रश्न.2. युनिट 1 से आलोचनात्मक प्रश्न। (दो में से एक)	अंक 14
प्रश्न.3. युनिट 2 से आलोचनात्मक प्रश्न। (दो में से एक)	अंक 14
प्रश्न.4. युनिट 3 से आलोचनात्मक प्रश्न। (दो में से एक)	अंक 14
प्रश्न.5. टिप्पणियाँ। (चार में से दो)	अंक 14

(टिप्पणी के लिए युनिट 4 से तथा एक टिप्पणी अनिवार्य रूप से उक्त रचनाकारों के व्यक्तित्व-कृतित्व से पूछी जाएगी)

कुल अंक : 70

आतंरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित। **अंक : 30**

संदर्भ ग्रन्थ :

1. छायावादोत्तर हिन्दी कविता, डॉ.द्वारकाप्रसाद साँचीहर, चिंता प्रकाशन, पिलानी(राज)31।
2. अधुनातन आकलन : पन्त,प्रसाद,निराला, रामप्रसाद मिश्र, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली।
3. नागार्जुन का काव्य और युग संबंधो का अनुशीलन, डॉ.जगन्नाथ पंडित, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद-15।
4. रामधारीसिंह 'दिनकर' का काव्य : एक अनुशीलन, डॉ.गिरीशचन्द्र पाल, साधना प्रकाशन, कानपुर।
5. बच्चन : अनुभूति और अभिव्यक्ति, डॉ.इन्दुबाला दीवान, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली-06।
6. छायावाद और उसके कवि, डॉ.इन्द्रराज सिंह, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. छायावादयुगीन काव्य, डॉ.अविनाश भारद्वाज, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. नई कविता के नए कवि, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

बी.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर - 3

प्रश्नपत्र नं.6. आधुनिक हिन्दी नाट्य साहित्य

मुख्य एवम् प्रथम गौण : हिन्दी

प्रतिपाद्य :-

भारतीय साहित्य में नाटक की परंपरा अति प्राचीन है | ' पंचमवेद ' के रूप में स्वीकृत नाटक साहित्य की हिन्दी नाट्य साहित्य में नई दिशाएँ स्थापित हुई है | नाटक के कथ्य, शिल्प एवं रंगमंच से छात्रों को अवगत कराना आवश्यक है | दृश्य साहित्य स्वरूप में आधुनिक समय में एकांकी का भी विकास हुआ है | गागर में सागर भरने की विशेषता एकांकी की पहचान है | छात्रों को नाटक - एकांकी के स्वरूप तथा मूर्धन्य रचनाकारों की रचनाओं का साक्षात्कार कराना आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक:-

' ध्रुवस्वामिनी ' - जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन
' जोंक ' – उपेन्द्रनाथ अश्क
' औरंगजेब की आखिरी रात ' – डॉ. रामकुमार वर्मा

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 : 1. नाटक तथा एकांकी साहित्य : स्वरूप का परिचय तथा रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन |
2. ' ध्रुवस्वामिनी ' की कथावस्तु और उसके तात्विक मूल्यांकन का अध्ययन |
3. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक की ऐतिहासिकता तथा रंगमंचीयता का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-2 : 1. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक के पात्रों का चित्रांकन और उसकी समस्याओं का अध्ययन |
2. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक का अंत, शीर्षक और गीत योजना का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-3 : 1. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक में भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य तत्वों के समन्वय का अध्ययन |
2. ' ध्रुवस्वामिनी ' नाटक में राष्ट्रीयता का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-4 : 1. ' जोंक ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक का अध्ययन |
2. ' औरंगजेब की आखिरी रात ' ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-5 : 1. रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या का अध्ययन |
2. रचनाओं से टिप्पणियाँ |

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या| (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(4) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)		14 अंक
(5) टिप्पणियाँ | (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
		कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी समस्यामूलक नाटको की शिल्पविधि, पूनम कुमारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
2. नया हिन्दी नाटक, भानुदेव शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3. आधुनिक हिन्दी नाटक एवम रंगमच, लक्ष्मीनारायण लाल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
4. प्रसाद प्रतिभा, सं.डॉ.इन्द्रनाथ मदान, नशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान, शुक्ल उमा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. आधुनिक हिन्दी नाटक, डॉ.नगेन्द्र, नशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

बी.ए. सेमेस्टर – 3 मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 7 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं निर्गुण शाखा) **अंक : 70**

प्रतिपाद्य :-

साहित्येतिहास का अनुशीलन विश्व के परिपूरक वितरण में भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता को राष्ट्र भाषा की विकास-यात्रा के माध्यम से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध होता है | हिन्दी साहित्य की विकासोन्मुखी यात्रा के उत्थान बिन्दु से अधुनातन सृजन प्रक्रिया तक की यात्रा से सम्पूर्ण भारतवर्ष गौरवान्वित है | हिन्दी साहित्य के उद्भव एवं विकास से छात्रों को अवगत कराते हुए भारतीय संस्कृति की गरिमा की पहचान प्राप्त कराने का प्रयास है |

युनिट : 1 1. हिन्दी साहेत्येतिहास परंपरा का परिचयात्मक अध्यापन |
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन-नामकरण की समस्या |

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 2 आदिकाल |
1. आदिकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि |
2. आदिकाल : सीमांकन एवं नामकरण |
3. आदिकाल की परिस्थितियाँ |
4. आदिकाल की प्रमुख विशेषताएँ | (प्रवृतियाँ)

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 3 आदिकाल के प्रमुख सर्जक एवं प्रमुख ग्रन्थ |
1. चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो |
2. विद्यापति – पदावली |
3. अमीर खुसरो – मुकरियाँ |

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 4 भक्तिकाल |
1. भक्तिकाल का सीमांकन एवं नामकरण |
2. भक्तिकाल की प्रमुख शाखाएँ |
3. भक्तिकाल की परिस्थितियाँ |
4. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ |

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 5 भक्तिकाल की निर्गुणमार्गी काव्यधारा |
1. निर्गुणमार्गी काव्यधारा की संकल्पना एवं विशेषताएँ |
2. कबीर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व |
3. प्रेममार्गी काव्यधारा की संकल्पना एवं विशेषताएँ |
4. जायसी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व |

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70

(1) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
(4) आलोचनात्मक प्रश्न |(दो में से एक) 14 अंक
(5) टिप्पणियाँ | (चार में से दो) (7 x 2) = 14 अंक
कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30
विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल, कमल प्रकाशन, नई दिल्ली |
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र, डॉ.हरदयाल, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली |
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ.बच्चनसिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली |
4. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
5. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ – डॉ.शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली |

बी .ए . सेमेस्टर – 3

सहायक:हिन्दी (द्वितीय गौण)

प्रश्न पत्र : S.S.सहायक : हिन्दी (द्वितीय गौण - भाग – 1)

प्रतिपाद्य :

हिंदीत्तर विषय के छात्रों में हिन्दी विषय के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने हेतु इस प्रश्न पत्र का अध्ययन आवश्यक है | आधुनिक हिन्दी कहानी में व्यक्त सामाजिक वास्तविकताएँ ,सामाजिक जीवन ,मानव मन की अतल गहराइयों की अभिव्यक्ति एवम नाना प्रकार की अभिव्यक्तियों का सफल आकलन हिन्दी कहानी का वैशिष्ट्य है | छात्रों को इससे अवगत करना आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक :

‘ कथा यात्रा ’, सं : राजेन्द्र यादव , अक्षर प्रकाशन , नई दिल्ली |

पाठ्यवस्तु :

युनिट : 1 सर्जकों के व्यक्तित्व – कृतित्व का विशद परिचय	कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14
युनिट : 2 ' पुरस्कार ' – जयशंकर प्रसाद ; ' कफन ' - प्रेमचंद	कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14
युनिट : 3 ' परदा '- यशपाल , ' सज़ा '- मन्नू भंडारी	कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14
युनिट : 4 मुद्दों पर से कहानी लेखन और हिंदी से गुजराती में अनुवाद	कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14
युनिट : 5 उपर्युक्त रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियाँ	कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप :</u>

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(4) कहानी लेखन अथवा अनुवाद का प्रश्न		14 अंक
(5) टिप्पणियाँ (चार में से दो)	(7 x 2) =	14 अंक
		कुल अंक : 70
<u>आंतरिक मूल्यांकन :</u>		कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ:

1. नई कहानी : पुनर्विचार:- मधुरेश , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली |
2. कहानी की कहानी : डॉ .नामवर सिंह ,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद|
3. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया ,डॉ. आनन्द प्रकाश ,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
4. हिन्दी कहानी एक अंतर्यात्रा ,डॉ. रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ . लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली |
6. आज की कहानी :डॉ .के .एम. मालती –लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद|

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-3 SYLLABUS

Soft Skill Course

हिन्दी लेखन कौशल भाग - 1 **70 अंक**

प्रतिपाद्य :-

भूमंडलीकरण एवं उदारीकरण के दौर में बहुआयामी वैश्विक व्यापारी मण्डलों का इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया से जुड़ने के कारण लोगों को लोगों की जबान में कहना-सुनाना आवश्यक है | इस दृष्टि से हिन्दी भाषा के लेखन-कौशल का प्रशिक्षण अनिवार्य है | मीडिया के अनुसार लेखन-अभिव्यक्ति कौशल के विकास हेतु यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है |

पाठ्यवस्तु : हिन्दी लेखन-कौशल भाग - 1

युनि□: 1. सामाजिक पत्राचार
विभिन्न सामाजिक सन्दर्भों, जरूरतों के सन्दर्भ में पारिवारिक एवं औपचारिक पत्राचार |
स्वरूप का परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14

युनि□: 2. □वेदन पत्र - प्रतिवेदन
विविध □वश्यकताएँ एवं नौकरी हेतु □वेदन पत्र |
स्वरूपका परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14

युनि□: 3. मुद्दों पर से कहानी |
स्वरूप, परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14

यूनि□: 4. अपठित गद्यांश □धारित प्रश्नोत्तर |
स्वरूप, परिचय एवं अनुप्रयोग | कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14

यूनि□: 5. हिन्दी कहावतें एवं मुहावरें |
अर्थ, स्वरूप एवं वाक्य प्रयोग |
निर्धारित सुची के □धार पर | कक्षा अध्यापन 9 घंटे , अंक -14

आतंरिक मूल्यांकन : अंक : 30

सन्दर्भ ग्रन्थ :-

1. □धुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद |
2. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना - डॉ.हरदेव बाहरी |
3. मानक हिन्दी व्याकरण - डॉ.एच.□र.मित्र, गंगा - यमुना प्रकाशन |
4 .प्रयोजन मूलक हिन्दी -प्रो .रमेश ज□

सूचना : कहावत और मुहावरों की सूची के लिये सेम.1 के स्थान पर सेम.3 को माना जायेगा |

बी.ए.सेम. -१ सॉफ्ट स्किल भाग - १ यूनिट : ५ कहावतें-मुहावरें निर्धारित सुची

कहावतें

१. अपनी करनी पार उतरनी	- अपने किये कर्मों का स्वयं फल भोगना ।
२. अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता	- अकेला आदमी कुछ नहीं कर सकता ।
३. अन्धे के हाथ बटेर लगना	- अपना कार्य खुद करना ही अच्छा है ।
४. जिसकी लाठी उसकी भैंस	- ताकतवर की ही सम्पत्ति होती है ।
५. उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे	- अपराध स्वीकार न करना और उल्टे क्रोध करना ।
६. अधजल गगरी छलकत जाय	- अधूरे ज्ञान को बढ़ा-चढ़ाकर प्रदर्शन करना ।
७. कंगाल में आटा गीला	- विपत्ति पर विपत्ति आना ।
८. खोदा पहाड़ निकली चुहिया	- अधिक परिश्रम से कम लाभ ।
९. घर की मुर्गी दाल बराबर	- सहज में प्राप्त वस्तु का आदर नहीं होता ।
१०. नाच न आवै आँगन टेढ़ा	- काम न जानने पर वस्तु में दोष निकालना ।
११. सिर मुंडाते ओले पड़ना	- कार्य के आरम्भ में विघ्न आना ।
१२. सीधी अंगुली से घी नहीं निकलता	- सीधेपन से काम नहीं चलता ।
१३. तीन लोक से मथुरा न्यारी	- स्वतंत्र और अलग विचार रखना ।
१४. मन चंगा तो कठौती में गंगा	- मन पवित्र है तो घर ही तीर्थ है ।
१५. अन्धा पीसे कुत्ता खाये	- मुर्ख या सीधे-सरल व्यक्ति का धन दूसरे खा जाते है
१६. ऊँट के मुँह में जीरा	- आवश्यकता से बहुत कम वस्तु ।
१७. ऊँची दुकान फीके पकवान	- केवल बाहरी दिखावा ।
१८. गंगा गये गंगादास जमुना गये जमुनादास	- अवसरवादी नेता ।
१९. गधा खेत खाये दुलाहा पीटा जाये	- अपराध कोई करें सजा कोई पाये ।
२०. एक अनार सौ बीमार	- वस्तु कम और प्रयोक्ता अधिक ।
२१. गरजे सो बरसे नहीं	- बहुत शोर मचानेवाला कुछ नहीं करता है ।
२२. थोथा चना बाजे घना	- समजहीन व्यक्ति ही अधिक आड़म्बर करता है ।
२३. पानी में रहकर मगर से बैर	- आश्रयदाता से ही शत्रुता करना ।

२४. भागते भूत की लंगोटी भली	-	सर्वनाश के समय यदि थोड़ी भी बचे तो ठीक है ।
२५. जहाँ जाय भूखा, वहाँ पड़े सूखा	-	दुःखी व्यक्ति कहीं भी आराम नहीं पा सकता ।
२६. चोरी का माल मोरी में जाता है	-	चुराई हुई दौलत बेकार जाती है ।
२७. मन के हारे हार है मन के जीते जीत	-	साहस बनाये रखना आवश्यक होता है ।
२८. देसी कौवा मराठी बोल	-	अशिक्षित व्यक्ति का ऊँची - ऊँची बाते करना ।
२९. अपना हाथ जगन्नाथ	-	श्रम ही ईश्वर का रूप है ।
३०. नीम हकीम खतरा ए जान	-	अधूरा ज्ञान खतरनाक होता हैं ।
३१. आम के आम गुठली के दाम	-	दुगुना लाभ होना ।
३२. अंगुली पकड़कर पहुँचा पकड़ना	-	धीरे-धीरे हिम्मत बढ़ना ।
३३. एक तो करेला दूसरा नीम चढा	-	बुरे को बुरे का संग मिलना ।
३४. कभी नाव गाड़ी पर कभी गाड़ी नाव पर-		परिस्थितियों में परिवर्तन होना ।
३५. कहाँ राजा भोज कहाँ गंगु तेली	-	छोटे का मिलन बड़े से नहीं होता ।
३६. गुरू गुड़ चेला शक्कर	-	गुरू से शिष्य का आगे निकल जाना ।
३७. गोद में लड़का शहर में ढिंढोरा	-	पास में रखी चीज को चारो तरफ ढूँढ़ना ।
३८. घरका भेदी लंका ढाहे	-	आपसी फुट से हानि ।
३९. चोर की दाढ़ी में तिनका	-	अपराधी स्वयं डरता हैं ।
४० चोर चोर मौसेरे भाई	-	एक तरह के पेशेवाले आसानी से आपस में मिल जाते हैं ।
४१. धोबी का कुत्ता, न घरका न घाटका	-	निकम्मा बेठिकाना आदमी ।
४२ न रहे बाँस न बजे बाँसुरी	-	निर्मूल करना ।
४३. मुँह में राम बगल में छुरी	-	कपटी आदमी ।
४४. मिया की दौड़ मस्जिद तक	-	सीमित क्षेत्र तक प्रवेश ।
४५. रस्सी जल गयी पर बल न गया	-	बुरी हालत होने पर ऐठ बनी रहना ।
४६. हाथ कंगन को आरसी क्या	-	प्रत्यक्ष के लिए प्रमाण क्या ।
४७. हीरे की परख जोहरी जाने	-	गुणी ही किसी वस्तु का गुण पहचान सकता है ।
४८. बहती गंगामें हाथ धोना	-	समय से लाभ उठाना ।
४९. सावन हरे न भादों सुखे	-	सदा एक समान ।
५०. अपनी गली में कुत्ता भी शेर	-	अपने स्थान पर कमजोर भी बलवान हो जाते है ।

:: मुहावरे ::

१. अंगुठा दिखाना	-	इनकार कर देना ।
२. आँखें खुलना	-	होंश में आना ।
३. आँखों में धूल झोकना	-	धोखा देना ।
४. आड़े हाथों लेना	-	डाँटना - फटकारना ।
५. बाल बाँका न होना	-	कुछ भी अनिष्ट न होना ।
६. हाथ पर हाथ धरकर बैठना	-	निष्क्रिय बन जाना ।
७. लोहे के चने चबाना	-	बेहद मुश्किल कार्य करना ।
८. ईद का चाँद होना	-	बहुत समय बाद दिखाई देना ।
९. सिर पर कफन बाँधना	-	मरने को तैयार रहना ।
१०. काया पलट होना	-	सर्वथा बदल जाना ।
११. छप्पर फाड़ कर देना	-	अचानक लाभ होना ।
१२. जान पर खेलना	-	साहसिक कार्य करना ।
१३. नौ दो ग्यारह होना	-	भाग जाना ।
१४. ओखली में सिर देना	-	जानबूझकर संकट मोल लेना ।
१५. कदम चुमना	-	चापलूसी करना ।
१६. गुदडी के लाल	-	गरीब के घर गुणवान का होना ।
१७. अरण्य रोदन	-	व्यर्थ प्रलाप करना ।
१८. चिराग तले अंधेरा	-	बुराई का निकट ही विकसित होना ।
१९. चुल्लूभर पानी में डूब मरना	-	अति लज्जा की बात होना ।
२०. दो टुक बात करना	-	स्पष्ट कह देना ।
२१. सिक्का जमाना	-	प्रभावित करना ।
२२. हाथ का मैल	-	तुच्छ वस्तु होना ।
२३. सर आँखों पर बैठाना	-	बहुत आदर-सत्कार करना ।
२४. लाल-पीला होना	-	गुस्सा होना ।
२५. गुड़-गोबर करना	-	सब किया कराया नष्ट या बर्बाद करना ।
२६. घी के दिये जलाना	-	खुशियाँ मनाना ।

२७. छक्के छुड़ाना	-	वीरता के साथ लड़ना ।
२८. चूड़ियाँ पहनना	-	पौरूषहीनता स्वीकार करना ।
२९. तलवार की धार पर चलना	-	जोखिम भरा काम करना ।
३०. नाक कटना	-	इज्जत बिगड़ना ।
३१. दाल न गलना	-	चाल सफल न होना ।
३२. फूले न समाना	-	बहुत खुश होना ।
३३. हथियार डालना	-	आत्मसमर्पण करना ।
३४. लकीर का फकीर	-	परम्परा प्रेमी, पुरातन पंथी, रूढ़िवादी होना ।
३५. बोलती बन्द होना	-	निरूत्तर होना ।
३६. रोंगटे खड़े होना	-	अत्यन्त भयभीत होना ।
३७. गड़े मुर्दे उखाड़ना	-	बीती बातें याद करना ।
३८. चोली दामन का साथ	-	घनिष्टता होना ।
३९. राइ का पहाड़ बनाना	-	जरा सी बात को खूब बढाना ।
४०. पलक न झपना	-	निंद न आना ।
४१. लोहा लेना	-	डट कर मुकाबला करना ।
४२. आग बबूला होना	-	अत्यन्त क्रोधित होना ।
४३. खाल उतारना	-	खूब पिटाई करना ।
४४. हृदय पिघलना	-	दया आना ।
४५. आकाश - पाताल चीरना	-	रहस्य ढूँढ निकालना ।
४६. दामन फैलाना	-	मदद माँगना ।
४७. ईंट का जवाब पत्थर से देना	-	आक्रमण करनेवाले को मजा चखाना ।
४८. जली - कटी सुनाना	-	भला - बूरा कहना ।
४९. नानी याद आना	-	घबराजाना ।
५०. माई का लाल	-	बहादुर होना ।

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Credit And Semester System Syllabus

B.A.

Name of The Subject : Hindi **SEMESTAR - 4th**

Sr. No.	SUBJECT CODE	PAPER NO.	NAME OF THE PAPER	TOTAL MARKS EXT+ENT=TOTAL	PASSING STANDARD EXT+ENT=TOTAL	PASSING TEACHING HOURS	CREDITS
1	22143	HIN-CL-403	अनिवार्य हिन्दी भाग-2	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
2	22144 22147	HIN-CL-404 And HIN-CL-407	छायावादोत्तर हिन्दी कविता-2	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
3	22145 22148	HIN-CL-405 And HIN-CL-408	आधुनिक हिन्दी नाट्य साहित्य भाग-2	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
4	22146	HIN-CL-406	हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग-2 (सगुन काव्यधारा एवं रीतिकालीन काव्य धारा)	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
5	22149	HIN-CL-409	सहायक हिन्दी कथा साहित्य भाग-2	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03

बी.ए. सेमेस्टर – 4

अनिवार्य हिन्दी

प्रतिपाद्य :-

उपन्यास की लोकप्रियता आज़ भी अक्षुण्ण है। हिन्दी साहित्य में भी उपन्यासकारों की लेखनी ने अपने उपन्यासों में समाज जीवन क़े यथार्थ व मनवानुभूतियो का सफल चित्रांकन किया है। समाज जीवन की परत-दर-परतें उद्घाटित करने वाले बेनमून उपन्यासों से हिन्दी व हिंदीत्तर विद्यार्थियों का परिचित होना अनिवार्य है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों मे उपन्यासों के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने का प्रयास है।

पाठ्यपुस्तक : 'चित्रलेखा' (उपन्यास) - भगवतीचरण वर्मा।

युनिट-1 भगवतीचरण वर्मा के व्यक्तिव व कृतित्व का परिचयात्मक अध्यापन।

'चित्रलेखा' उपन्यास का औपन्यासिक तत्वों की दृष्टि से अध्यापन।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक - 14

युनिट-2 'चित्रलेखा' उपन्यास के प्रमुख तथा गौण चरित्रों का अध्यापन।

'चित्रलेखा' उपन्यास की प्रमुख समस्याओं का अध्यापन।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक -14

युनिट-3 'चित्रलेखा' उपन्यास के आधार पर ससंदर्भ व्याख्या का अध्यापन।

'चित्रलेखा' उपन्यास का अंत, शीर्षक और उदेश्य का अध्यापन।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक -14

युनिट-4 काल एवम कारक का प्रकारगत अध्यापन।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक -14

युनिट-5 रचना विभाग

5.1 विभिन्न पद हेतु आवेदन पत्र।

5.2 गुजराती से हिन्दी में अनुवाद।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न : 1 पाठ्यपुस्तक आधारित चार में से दो की ससंदर्भ व्याख्या। अंक 14

प्रश्न : 2 पाठ्यपुस्तक आधारित दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न | अंक 14

प्रश्न : 3 काल और कारक में से किसी एक पर आलोचनात्मक प्रश्न | अंक 14

अथवा

सूचना अनुसार कीजिए : दस में से सात (काल और कारक) आधारित प्रश्नों के उत्तर।

प्रश्न : 4 आवेदन पत्र अथवा अनुवाद | अंक 14

प्रश्न : 5 पाठ्यपुस्तक आधारित चार में से दो टिप्पणियाँ | अंक 14

(एक टिप्पणी रचनाकार पर)

कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रंथ

1. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण—डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. हिन्दी रुप रचना,भाग-1 और 2 – जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

बी.ए. हिन्दी) सेमेस्टर-4

प्रश्नपत्र-8. छायावादोत्तर हिन्दी काव्य

मुख्य एवं प्रथम गौण

प्रतिपाद्य :

आधुनिक हिन्दी कविता के परिवर्तनशील प्रवाहो में छायावादोत्तर कविता का विशिष्ट स्थान रहा है | प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी कविताओं का संवेदन पक्ष एवं शिल्प के आधार पर अंदाज कुछ अलग ही है | हिन्दी साहित्य की काव्यधारा में इस नये प्रवाह की कविताओं और कवियों की लाक्षणिकताओं से छात्रों को अवगत कराना आवश्यक है | छात्र इन काव्यधाराओं से परिचित होकर हिन्दी काव्य की श्रीवृद्धि से परिचित होंगे |

पाठ्यपुस्तक : 1. छायावादयुगीन कविताएँ- संपादक- डॉ.आलोक गुप्त
जयभारती प्रकाशन 267-बी मुट्ठीगंज, माया प्रेस, इलाहाबाद-3
2. छायावादोत्तर काव्य संचयन- संपादक- डॉ.शारदा रंजन शुक्ल, डॉ.राकेश शुक्ल
ज्ञानोदय प्रकाशन, पीरोड़, कानपुर |
3. आँचल के मोती- द्वारकाप्रसाद साँचीहर आकार प्रकाशन, पत्रकार कॉलोनी, नारायणपुरा, अहमदाबाद-380013

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 1.1 सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
1.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) नदी के द्वीप 2) बावरा अहेरी
3) ये दीप अकेला 4) कलगी बाजरे की

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2 2.1 सुदामापान्डेय 'धूमिल' के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
2.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) बीस साल बाद 2) अकाल दर्शन
3) रोटी और संसद 4) मोचीराम

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3 3.1 धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
3.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) पराजित पीढ़ी का दर्द 2) टुटा पहिया
3) नया रस 4) फूल,मोमबत्तियाँ,सपने

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 4.1 द्वारकाप्रसाद साँचीहर के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |
4.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत अध्ययन |
कविताएँ : 1) मेरे पाँव नहीं मिट्टी के 2) मैं शोला हूँ, मैं बिजली हूँ
3) नहीं पशु सा पाश चाहिए 4) औरत तो □रती ह□न्दिर की

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-5 उपर्युक्त रचनाकारों की रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

प्रश्नपत्र का प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न 1. उपर्युक्त चारों कवियों की पठित कविताओं से एक-एक ससंदर्भ | (चार में से किन्हीं दो) अंक 14

प्रश्न.2. युनिट 1 से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.3. युनिट 2 से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.4. युनिट 3 से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो) अंक 14

(टिप्पणी के लिए युनिट 4 में से तथा एक टिप्पणी अनिवार्य रूप से उक्त रचनाकारों के व्यक्तित्व-कृतित्व से पूछी जाएगी)

कुल अंक : 70

आतंरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

संदर्भ ग्रन्थ :

1. धर्मवीर भारती और उनका काव्य, प्रो.लक्ष्मणदत्त गौतम, अशोक प्रकाशन, दिल्ली |
2. हिन्दी कविता तीन दशक, रामदरश मिश्र, ज्ञानभारती प्रकाशन, दिल्ली-9 |
3. धुमिल और परवर्ती जनवादी कवि, श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद |
4. साठोत्तरी हिन्दी कविता की वस्तुचेतना, डॉ.बादामसिंह रावत, गिरनार प्रकाशन, महेसाणा-01 |
5. नये प्रतिनिधि कवि, डॉ.हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, कानपुर |
6. हिन्दी कविता के विविध भाव संवेदन, यूनुस.ए.गाहा, साधना प्रकाशन, कानपुर |
7. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखक, सं.डॉ.रघुवीर चौधरी, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद-01 |
8. नई कविता के नए कवि, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

बी.ए.(हिन्दी) सेमेस्टर - 4

प्रश्नपत्र नं.9. आधुनिक हिन्दी नाट्य साहित्य

मुख्य एवं प्रथम गौण

प्रतिपाद्य :-

भारतीय साहित्य में नाटक की परंपरा अति प्राचीन है | ' पंचमवेद ' के रूप में स्वीकृत नाटक साहित्य ने हिन्दी नाट्य साहित्य में नई दिशाएँ स्थापित की है | कथ्य, शिल्प एवं रंगमंच से छात्रों को अवगत कराने का प्रयास है | एकांकी भी बड़े नाटक के समान रंगमंच पर प्रदर्शित होकर भी अपनी पूर्ण अभिव्यक्ति प्राप्त करता है, क्योंकि रंगमंच ही उसका मूल माध्यम है | अत: एकांकी रंगमंच के सपने, अनुशासनों और रुढियों से प्रभावित होता है | रंगमंच का स्वरूप, रंगसज्जा के नियम और उसकी रूढ़ियाँ ही एकांकी में कार्य व्यापार के विन्यास और वस्तु संघटन को निर्धारित करती है | छात्रों को इन सभी विचारो से साक्षात्कार कराना है |

पाठ्यपुस्तक:-

बकरी – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
सड़क – विष्णु प्रभाकर
स्ट्राइक – भुवनेश्वर प्रसाद

युनिट-1 : 1. निर्धारित रचनाकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का अध्ययन |
2. ' बकरी ' : कथावस्तु का परिचयात्मक अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-2 : 1. ' बकरी' के तात्विक मूल्यांकन का अध्ययन |
2. ' बकरी ' : प्रमुख पात्रो की चारित्रिक विशेषताओं का अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-3 : 1. ' बकरी ' : प्रमुख समस्याओं का अध्ययन |
2. ' बकरी ' : शीर्षक, रंगमंचीयता, अभिनेयता और उद्देश्य का अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-4 : 1. ' सड़क ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक का अध्ययन |
2. ' स्ट्राइक ' एकांकी : कथा, चरित्र, उद्देश्य एवं शीर्षक का अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-5 : 1. रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या का अध्ययन |
2. रचनाओं से टिप्पणियाँ | कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :-

1. संदर्भ	(चार में से दो)	(7*2) = 14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	= 14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	= 14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	= 14 अंक
5. टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	= 14 अंक
		कुल = 70 अंक

आतंरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदं□आधारित | 30 अंक
टिप्पणी में एक टिप्पणी रचनाकार के बारे में पूछी जायेगी |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी समस्यामूलक नाटको की शिल्पविधि, पूनम कुमारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
2. नया हिन्दी नाटक, भानुदेव शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3. आधुनिक हिन्दी नाटक एवम रंगमच, लक्ष्मीनारायण लाल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
4. प्रसाद प्रतिभा, सं.□इन्द्रनाथ मदान, नशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |
5. भारतीय नारी अस्मिता की पहचान, शुक्ल उमा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. आधुनिक हिन्दी नाटक, □नगेन्द्र, नशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

बी.ए. सेमेस्टर – 4

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 10 हिन्दी साहित्य का इतिहास भाग – 2 (सगुण काव्यधारा एवं रीतिकालीन काव्यधारा)

अंक : 70

प्रतिपाद्य :-

साहित्येतिहास का अनुशीलन विश्व के परिपूरक वितरण में भारत राष्ट्र की सांस्कृतिक अस्मिता को राष्ट्र भाषा की विकास-यात्रा के माध्यम से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण सिद्ध होता है | हिन्दी साहित्य की विकासोन्मुखी यात्रा के उत्थान बिन्दु से अधुनातन सृजन प्रक्रिया तक की यात्रा से सम्पूर्ण भारतवर्ष गौरान्वित है | हिन्दी साहित्य के उद्भव एवं विकास से छात्रों को अवगत कराते हुए भारतीय संस्कृति की गरिमा की पहचान प्राप्त कराने का प्रयास है |

युनिट : 1 1. सगुण काव्यधारा :
1.1. सगुण काव्यधारा की पृष्ठभूमि |
1.2. सगुण काव्यधारा की उपशाखाएँ | - कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 2 राममार्गी सगुण काव्यधारा :
2.3. राममार्गी सगुण काव्यधारा की विशेषताएँ |
2.2. राममार्गी काव्यधारा के प्रमुख कवि | - कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 3 कृष्णमार्गी सगुण काव्यधारा :
3.1. कृष्णमार्गी सगुण काव्यधारा की विशेषताएँ |
3.2. कृष्णमार्गी काव्यधारा के प्रमुख सम्प्रदायों का परिचयात्मक अध्यापन |
3.3. कृष्णमार्गी सगुण काव्यधारा के प्रमुख कवि सूरदास का अध्ययन | - कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 4 रीतिकाव्य :
4.1. रीतिकाव्य : सीमांकन एवं नामकरण
4.2. रीतिकाव्य : प्रमुख विशेषताएँ | - कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 5 रीतिकाव्य की प्रमुख धाराएँ :
5.1. रीतिकाव्य की प्रमुख धाराएँ (रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त) |
5.2. रीतिकाव्य के प्रमुख सर्जक (केशवदास,देव,बिहारी,घनानंद,भूषण) | - कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो) (7×2) = 14 अंक

कुल : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : 30 अंक

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, कमल प्रकाशन,नई दिल्ली |
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र और डॉ.हरदयाल, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली |
3. हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ.विजयपाल सिंह |
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ.बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
5. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ.गणपतिचन्द्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. हिन्दी साहित्य : युग और प्रवृतियाँ – डॉ.शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली |

बी .ए . सेमेस्टर – 4

प्रश्न पत्र : सहायक : हिन्दी (द्वितीय गौण भाग – 2)

प्रतिपाद्य :

हिंदीत्तर विषय के छात्रों में हिन्दी विषय के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने हेतु इस प्रश्न पत्र का अध्ययन आवश्यक है | आधुनिक हिन्दी कहानी में व्यक्त सामाजिक वास्तविकताएँ ,सामाजिक जीवन ,मानव मन की अतल गहराइयों की अभिव्यक्ति एवम नाना प्रकार की अभिव्यक्तियों का सफल आकलन हिन्दी कहानी का वैशिष्ट्य है | छात्रों को इससे अवगत करना आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक :

श्रेष्ठ कहानियाँ, सं. डॉ .अवधेश नारायण त्रिपाठी
डॉ . अरविन्द जोशी
डॉ . भ्रमरलाल जोशी, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद|

पाठ्य वस्तु :

युनिट :1 सर्जकों के व्यक्तित्व – कृतित्व का विशद परिचय | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14
युनिट :2 ' वीर बहादुर ' - चतुरसेन शास्त्री ; 'आत्म शिक्षण' - बाबू अन्नपूर्णानंद | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14
युनिट :3 ' वापसी ' - उषा प्रियंवदा ; ' परमात्मा का कुत्ता ' - मोहन राकेश | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14
युनिट :4 अपठित गद्यांश आधारित प्रश्नोत्तर और पल्लवन का अध्ययन | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे, अंक -14
युनिट :5 उपर्युक्त रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियाँ कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या (चार में से दो) (7 x 2) = 14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
(4) अपठित गद्यांश आधारित प्रश्नोत्तर और पल्लवन में से आलोचनात्मक प्रश्न | 14 अंक
(5) टिप्पणियाँ (चार में से दो) (7 x 2) = 14 अंक
कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ:

1. नई कहानी : पुनर्विचार:- मधुरेश , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली |
2. कहानी की कहानी : डॉ.नामवर सिंह ,लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद|
3.हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया ,डॉ. आनन्द प्रकाश ,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
4. हिन्दी कहानी एक अंतर्यात्रा ,डॉ. रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली |
6.आज की कहानी : डॉ .के .एम. मालती –लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद|

C.B.C.S. (हिन्दी) B.A.Sem.-4

Soft Skill Course
हिन्दी लेखन कौशल (सत्र – 4)

प्रतिपाद्य :

भूमंडलीकरण एवं उदारीकरण के दौर में बहुआयामी वैश्विक व्यापारी मण्डलों का इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया से जुड़ने के कारण लोगों को लोगों की जबान में कहना-सुनाना आवश्यक है | इस दृष्टि से हिन्दी भाषा के लेखन-कौशल का प्रशिक्षण अनिवार्य है | मीडिया के अनुसार लेखन-अभिव्यक्ति कौशल के विकास हेतु यह पाठ्यक्रम तैयार किया गया है |

पाठ्यवस्तु -(सूचना प्राद्योगिकी - इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया के सन्दर्भ में) |

युनि□- 1. जनसंचार माध्यम : अर्थ, स्वरूप, प्रकार		कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14
युनि□- 2. मुद्रित माध्यम : अर्थ, स्वरूप, प्रकार		कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14
युनि□- 3. इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया : अर्थ, स्वरूप, प्रकार		कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14
युनि□- 4. टेलीवीजन : अर्थ, स्वरूप एवं विकास		कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14
युनि□- 5. - मुद्रित एवं इलेक्ट्रोनिक्स माध्यमों की भाषा : - समाचार पत्रों की भाषा : स्वरूप व विशेषताएँ आदि | - रेडियो की भाषा : स्वरूप व विशेषताएँ आदि | - दूरदर्शन की भाषा : स्वरूप व विशेषताएँ आदि |	कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
(4) आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
(5) टिप्पणियाँ | (चार में से दो)	(7*2) = 14 अंक
	कुल अंक : 70
आंतरिक मूल्यांकन :	कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ.अजयकुमारसिंह, लोकभारती प्रकाशन |
2. इलेक्ट्रोनिक्स मीडिया एवं सूचना प्राद्योगिकी, डॉ.यु.सी गुप्ता, अर्जुन पब्लिकेशन |
3. हिन्दी भाषा के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान, डॉ.ए.एम. युसूफजई |
4. दृश्य -श्राव्य माध्यम लेखन -डॉ .राजेंद्र मिश्र -ईशिता मिश्र |
5. विश्व मिडिया बाज़ार -डॉ .कृष्ण कुमार रतु |

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Credit And Semester System Syllabus

B.A.

Name of The Subject : Hindi **SEMESTAR - 5th**

Sr. No.	SUBJECT CODE	PAPER NO.	NAME OF THE PAPER	TOTAL MARKS EXT+ENT=TOTAL	PASSING STANDARD EXT+ENT=TOTAL	PASSING TEACHING HOURS	CREDITS
1	22150	HIN-CC-503	अनिवार्य हिन्दी	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
2	22151	HIN-CC-504	हिन्दी साहित्य का इतिहास-1	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
3	22152	HIN-CC-505	साहित्यशास्त्र-1	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
4	22153	HIN-CC-506	भाषाविज्ञान1-1	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
5	22154 OR 22155	HIN-CC-507 OR HIN-CC-507	आधुनिक कथा साहित्य-1 अथवा राजभाषा प्रशिक्षण-1 (वैकल्पिक)	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
6	22156 OR 22157	HIN-CC-508 OR HIN-CC-508	मध्यकालीन कविता साहित्य-1 अथवा संचार माध्यम लेखन-1 (वैकल्पिक)	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
7	22158	HIN-CC-509	हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ-1	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03

बी.ए. सेमेस्टर – 5

अनिवार्य हिन्दी

प्रतिपाद्य :-

हिन्दीतर प्रदेशों में विविध विषयों के साथ अभ्यासरत छात्रों को हिन्दी राष्ट्रभाषा की गरिमा व प्रभावोत्पादकता से परिचित होना एक आवश्यकता है। हिन्दी विषय के उपरांत के छात्रों को हिन्दी के प्रति की अभिरुचि में वृध्धि हो, हिन्दी भाषा का सामान्य स्तरीय ज्ञानवर्धन हो इस उदेश्य से प्रस्तुत प्रश्नपत्र का अभ्यास अपनी उपादेयता सिध्ध करता है।

पाठ्यपुस्तक : **'एक और द्रोणाचार्य' (नाटक) - शंकर शेष।**
प्रकाशन – किताब घर प्रकाशन, दिल्ली।

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 शंकर शेष के व्यक्तिव-कृतित्व का परिचयात्मक अध्ययन।
'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का नाटक के तत्वों की दृष्टि से अध्ययन। कक्षा अध्यापन 9 घंटे – अंक – 14

युनिट-2 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का कथानक, प्रमुख-गौण चरित्रों का अध्ययन।
'एक और द्रोणाचार्य' नाटक की प्रमुख समस्याओं का अध्ययन। कक्षा अध्यापन 9 घंटे – अंक – 14

युनिट-3 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के □धार पर ससंदर्भ व्याख्या।
'एक और द्रोणाचार्य' नाटक का अंत, शीर्षक और उदेश्य का अध्ययन। कक्षा अध्यापन 9 घंटे – अंक -14

युनिट-4 रचना :
पर्यावरणीय समस्या सम्बन्धी निबंध लेखन।
(जल, वायु और ध्वनि प्रदुषण – कारण तथा निवारण) कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-5 संक्षेपण और पारिभाषिक शब्द :
निर्धारित – पारिभाषिक शब्दों का अध्ययन। कक्षा अध्यपन 9 घंटे – अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न : 1 पाठ्यपुस्तक □धारित चार में से दो की ससंदर्भ व्याख्या। (7*2) = अंक 14
प्रश्न : 2 पाठ्यपुस्तक □धारित दो में से एक □लोचनात्मक प्रश्न अंक 14
प्रश्न : 3 पर्यावरण लक्षीय निबंध लेखन। अंक 14
प्रश्न : 4 (अ) संक्षेपण।
(ब) दस में से सात पारिभाषीक शब्द। अंक 14
प्रश्न : 5 पाठ्यपुस्तक □धारित चार में से दो टिप्पणियां अंक 14
(एक टिप्पणी रचनाकार पर)

कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : **अंक : 30**
विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रंथ :

1. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण—डॉ. हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. हिन्दी रुप रचना,भाग-1 और 2 – जयेंद्र त्रिवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. □धुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद।
4. हिन्दी समस्यामूलक नाटको की शिल्पविधि, पूनम कुमारी, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
5. नया हिन्दी नाटक, भानुदेव शुक्ल, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. □धुनिक हिन्दी नाटक, डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली |

बी.ए. सेमेस्टर – 5

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 11: हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रतिपाद्य :-

साहित्य के छात्रों के लिए यह अनिवार्य है कि वे साहित्य की विभिन्न विधाओं की सुविकसित सृजन यात्राओं से सुपरिचित हो | हिन्दी साहित्य में समयांतर में होनेवाले परिवर्तन एवं नये सृजनादि से छात्रों का ज्ञानवर्धन पूर्णत: संभव है | हिन्दी साहित्य की नाना गतिविधियों का प्रत्यक्ष निदर्शन इस प्रश्नपत्र का मौलिक प्रतिपाद्य है |

पाठ्यवस्तु का विवरण :

युनिट -1: 1.1. आधुनिक काल : सीमांकन, नामकरण और परिस्थितियाँ |

1.2. हिन्दी गद्य : उद्भव और विकास, आरंभिक गद्यकार, फोर्ट विलियम कॉलेज |

1.3. छायावाद युगीन तथा छायावादोत्तर युगीन सीमांकन, नामकरण, परिवेश, प्रवृतियाँ |

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-2: 2.1. भारतेंदु युग : सीमांकन, नामकरण |

2.2. भारतेंदु युग : परिस्थितियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख सर्जक |

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-3: 3.1. द्विवेदी युग : सीमांकन, नामकरण, प्रमुख प्रवृतियाँ-विशेषताएँ |

3.2 प्रमुख कवियों का परिचयात्मक अध्ययन |

(भारतेंदु, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', माखनलाल चतुर्वेदी, मैथिलीशरण गुप्त, हरिऔध, रामनरेश त्रिपाठी)

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-4: 4.1. छायावाद युगीन कविता : सीमांकन, नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ-विशेषताएँ |

4.2. प्रमुख कवियों का परिचयात्मक अध्ययन |

(प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी वर्मा) - कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-5: 5.1. छायावादोत्तर कविता (प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता) : सीमांकन, नामकरण, प्रमुख प्रवृत्तियाँ-विशेषताएँ |

5.2. प्रमुख कवियों का परिचयात्मक अध्ययन |

(दिनकर,शिवमंगल सिंह सुमन, नागार्जुन, बच्चन, सर्वेश्वरदयाल सक्सेना, धुमिल अज्ञेय, मुक्तिबोध)

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
5. टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7×2) = 14 अंक
		कुल : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1.हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी |
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा |
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.ओम प्रकाश गुप्त, डॉ.विरेन्द्रनारायण सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद |
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ.नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन, लाहाबाद |
7. हिन्दी साहित्य की बीसवीं सदी – नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, लाहाबादा |

बी.ए. सेमेस्टर – 5

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 12: साहित्यशास्त्र

प्रतिपाद्य :-

जीवन की भावाभिव्यक्ति का सबल अध्ययन साहित्य है | साहित्य के नानाविध रूपों के द्वारा इन्सान अपने विचारों की प्रस्तुति करता है | अधुनातन युग में साहित्य के नित-नये स्वरूपों का भी आविष्कार हुआ, जिसके माध्यम से मानव की भावाभिव्यक्ति को मजबूत संबल प्राप्त हुआ | साहित्य के विद्यार्थीयों के लिए नाना रूपं का अध्ययन अहम महत्व रखता है | प्रस्तुत प्रश्नपत्र साहित्य के विविध रूपों, अंगों व माध्यमों की प्रत्यक्ष पहचान करने में महत्वपूर्ण है | साहित्य के छात्रों के लिए यह उपकारक है |

युनिट : 1 साहित्य का अर्थ-परिभाषा, तत्व निरूपण, प्रयोजन | कक्षा अध्यापन 9 घंट, अंक-14

युनिट : 2 साहित्य का भेदाभेद, साहित्य और समाज, साहित्य और विज्ञान तथा साहित्य और धर्म | कक्षा अध्यापन 9 घंट, अंक – 14

युनिट : 3 छंद : अर्थ, परिभाषा, अंग, महत्व – स्थान, प्रकारों का (परिचयात्मक) अध्ययन |
निर्दिष्ट छंदों का सोदाहरण अध्ययन |
(शिखरिणी, द्रुतविलम्बित, वसन्ततिलका, मंदाक्रांता, शार्दूलविक्रीडित, इन्द्रव्रजा, सोरठा, दोहा, चौपाई, हरिगीतिका, कवित्त) कक्षा अध्यापन 9 घंट, अंक – 14

युनिट : 4 अलंकार : अर्थ, परिभाषा, अंग, महत्व – स्थान, प्रकारों का (परिचयात्मक) अध्ययन |
निर्दिष्ट अलंकारों का सोदाहरण अध्ययन |
(अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, अनन्वय, रूपक, विरोधाभास, दृष्टांत) कक्षा अध्यापन 9 घंट, अंक – 14

युनिट : 5 कविता का अर्थ – परिभाषा, अंग या लक्षण (रस, रीति, छंद, अलंकार, बिम्ब, प्रतिक), प्रकार, शब्द शक्ति और काव्य गुण परिचयात्मक अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंट, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक) 14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक) 14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक) 14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक) 14 अंक
5. टिप्पणियाँ	(चार में से दो) (7×2) = 14 अंक
	कुल : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. काव्य का रूप – बाबू गुलाबराय |
2. साहित्य विवेचन – क्षेमचन्द्र सुमन, योगेन्द्र मलिक |
3. भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ.विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
4. हिन्दी साहित्यशास्त्र – सं.नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
5. साहित्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य) – डॉ.ओमप्रकाश गुप्त, डॉ.गोवर्धन बंजारा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद |
6. साहित्यशास्त्र – डॉ.संजय नवल, दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर, कानपुर |

बी.ए. सेमेस्टर – 5

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 13: भाषा विज्ञान

प्रतिपाद्य :-

भाषा विज्ञान का अध्ययन भाषा विशेष की सम्पूर्ण जानकारी का अध्ययन है | हिन्दी भाषा के उद्भव-विकास की स्थिति के साथ-साथ हिन्दी के वैयाकरण पहलुओं का भी अपना महत्त्व है | वैश्विक स्तर पर प्रभावी बनने वाली हिन्दी भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत प्रश्नपत्र का प्रतिपाद्य है |

युनिट : 1 हिन्दी भाषा का उद्भव-विकास तथा नामकरण का अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 2 हिन्दी भाषा की उपभाषाएँ और बोलियों का (प्रकृति-विशेषता) सारगर्भित अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 3 हिन्दी भाषा के विविध रूप :

3.1. राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा (अर्थ, स्वरूप, महत्व) | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 4 हिन्दी की संविधानिक स्थिति : (अनुच्छेद – 343 (1) राजभाषा अधिनियम)

4.1.हिन्दी की संस्थाएँ :

1. नागरी प्रचारिणी सभा - काशी |
2. हिन्दी साहित्य सम्मलेन – प्रयाग |
3. गुजरात हिन्दी प्रचार समिति – अहमदाबाद |
4. राष्ट्रभाषा हिन्दी प्रचार समिति – वर्धा | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 5 लिपि : उद्भव-विकास |

5.1. प्रारंभिक लिपियों का परिचय |

5.2. देवनागरी लिपि का उद्भव-विकास |

5.3. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता, लोकप्रियता | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

1. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
5. टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7×2) = 14 अंक
		कुल : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी भाषा का उद्भव-विकास – डॉ.धीरेन्द्र वर्मा |
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा |
3. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा |
4. भाषा की भूमिका – डॉ.अपूर्णप्रसाद मिश्र |
5. हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी |
6. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेवनंदन प्रसाद |
7. हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण – आ.किशोरीदास वाजपेयी |
8. हिन्दी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी |

बी .ए . सेमेस्टर –5

मुख्य हिन्दी

प्रश्न पत्र – 14 (आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य - भाग –1) (Optional)

प्रतिपाद्य :

साहित्य स्वरूपों में उपन्यास की एक विशेष पहचान रही है | उपन्यासों के माध्यम से साहित्यकारों ने समाज की भिन्न भिन्न परिस्थितियों का वर्णन करते हुए समाज की वास्तविकताओं का परिचय देने का प्रयास किया है | उपन्यास को वर्तमान युग का महाकाव्य भी माना गया है | हिन्दी कहानियों ने भी समाज की अनेक समस्याओं का बेबाक चित्रण किया है | आधुनिक कहानियों ने मानव मन की चेतनाओं को भी झकजोरा है | अत: इन साहित्य स्वरूपों से छात्रों का परिचित होना आवश्यक है | प्रस्तुत पाठ्यक्रम से छात्रों में उपन्यासों व कहानियों के प्रति अभिरुचि संवर्धित करने का प्रयास है |

पाठ्य पुस्तक :

1 . मानस का हंस –अमृतलाल नागर , राजपाल एंड सन्स , नई दिल्ली |

2 . पाठ्य वस्तु : प्रकीर्ण कहानियाँ |

युनिट 1 : उपन्यास एवं कहानी साहित्य स्वरूप का तथा निर्दिष्ट रचनाकारों का परिचयात्मक अध्ययन | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14

युनिट.2: ' मानस का हंस '- कथा , चरित्र और तात्विक मूल्यांकन का अध्ययन | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14

युनिट.3 : ' इन्स्पेक्टर मातादीन चाँद पर ' - हरिशंकर परसाई तथा ' सिक्का बदल गया '- कृष्णा सोबती - कहानियों का अध्ययन | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14

युनिट.4 : ' ईदगाह '- प्रेमचंद तथा ' तीसरी कसम ' - फणीश्वरनाथ रेणु - कहानियों का अध्ययन | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14

युनिट :5 उपर्युक्त रचनाओं के सन्दर्भ में ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियाँ | कक्षा अध्यापन - 9 घंटे , अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(4) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(5) टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक
		कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ:

1. अमृतलाल नागर के उपन्यासों में युग – चेतना ,संजीवकुमार ,राधाकृष्णप्रकाशन ,नई दिल्ली |
2. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख , सं. डॉ. इन्द्रनाथ मदान ,भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली |
3. आधुनिक हिन्दी उपन्यास : डॉ.नामवरसिंह ,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली |
4. हिन्दी कहानी की विकास प्रक्रिया , डॉ. आनन्द प्रकाश ,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद |
5. हिन्दी कहानी एक अंतर्यात्रा ,डॉ. रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली |
6. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ . लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली |

बी .ए . सेमेस्टर – 5

मुख्य हिन्दी

प्रश्न पत्र –14-A राजभाषा प्रशिक्षण(वैकल्पिक) भाग – 1(Optional)

प्रतिपाद्य:

कार्यालयी हिन्दी का एक प्रभाव स्वतंत्रता के पश्चात्य भारत में अवश्य पाया गया है | कार्यालय से सम्बद्ध हिन्दी की नई दिशा का विकास दृष्टव्य है | हिन्दी के इस नव्यतम आयाम से छात्रो को अवगत करना आवश्यक है | रोजगार क्षेत्र से भी इस की बड़ी उपादेयता है फलत: इस दिशा में छात्रो की अभिरुचि संवर्धित करने का प्रयास इसके प्रशिक्षण के द्वारा यथेष्ट है |

पाठ्यवस्तु :

युनिट : 1

1.1 राजभाषा : अर्थ –संकल्प,स्वरूप |
1.2 राजभाषा: राष्ट्रभाषा अंतर |
1.3 राष्ट्रभाषा समस्याएँ एवं समाधान | कक्षा अध्यापन 9 घं अंक -14

युनिट : 2

2.1 राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिकस्थिति|
2.2 संविधान के विभिन्न अनुच्छेद |
2.3 राजभाषा आयोग |
2.4 राजभाषा अधिनियम – (1963 यथा संशोधित)
2.5 राजभाषा संकल्प – 1968 कक्षा अध्यापान 9 घं अंक -14

युनिट : 3

3.1 राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष |
3.2 हिन्दी आलेखन: अर्थ,स्वरुप,परकार, उदहारण |
3.3 हिन्दी प्रेषण: अर्थ, स्वरुप, प्रकार, उदाहरण | कक्षा अध्यापन 9 घं अंक -14

युनिट : 4

4.1 संक्षेपण : अर्थ, स्वरुप, प्रकार, उदाहरण |
4.2 विस्तरण: अर्थ,स्वरूप, प्रकार, उदहारण | कक्षा अध्यापन 9 घं अंक -14

युनिट : 5

5.1 कार्यालयीपत्राचार|
5.2 अर्ध सरकारी पत्राचार |
5.3 अधिसूचना , कार्यालय आदेश ,परिपत्र , ज्ञापन | कक्षा अध्यापन 9 घं अंक- 14

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप</u> :

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(4) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(5) टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक
		कुल अंक : 70

<u>आंतरिक मूल्यांकन :</u> कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी – डॉ.रामप्रकाश, डॉ.दिनेशकुमार गुप्त |
2. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी –डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
3. राजभाषा हिन्दी : प्रगति और प्रयाण – डॉ. कबाल अहमद, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली |
4. प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पण, प्रारूप और पत्र लेखन, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली |
5. सरकारी कार्यलयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली |
6. बैंकों में व्यावसायिक हिन्दी का प्रणाली प्रयोग -डॉ.कला जोशी, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, दिल्ली|

बी.ए. (हिन्दी) सेमेस्टर-5

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र-15. मध्यकालीन हिन्दी काव्य

प्रतिपाद्य :

भारतीय संस्कृति अनूठी व विशिष्ट संस्कृति है | भारतीय भूमि पर धर्मांदोलनों का गौरवान्वित अतीत है | साहित्य के माध्यम से भव्य अतीत को जन मानस तक पहुँचाने का मार्ग प्राप्त हुआ है | भारतीय भाषा-भाषी साहित्य में विशेषत: मध्ययुगीन साहित्यकारों का अपना विशेष प्रभाव विद्यमान है | हिन्दी साहित्य के मध्ययुगीन साहित्यकारों का योगदान समाज के लिए अनोखी भूमिका अदा कर सका है | मध्ययुगीन साहित्यकारों की विचार-वाणी से प्रभावित होने के उपरांत भारतीय भक्ति-भावना का परिचय प्राप्त करने की कोशिश प्रस्तुत प्रश्नपत्र का अभीष्ट है | छात्र हमारी विरासतों से सुपरिचित हो यह आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक : 1. पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय) - चंदबरदाई

2. रामचरित मानस (अयोध्याकाण्ड-केवट का प्रेम) - तुलसीदास

3. मध्यकालीन हिन्दी काव्य- संपादक- डॉ.शिवकुमार मिश्र, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 1.1 चंदबरदाई का व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

1.2 ' पद्मावती समय' से निम्न निर्दिष्ट दोहे का अध्ययन |

दोहे क्रम 1,2,4,6,7,8,10,13,22,23,24,26,27,33,35,36,37,39,52,53,61,67,68,71 का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2 2.1 कबीरदास का व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

2.2 साखी क्रम 1 से 60 का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3 3.1 तुलसीदास का व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

3.2 ' केवट प्रेम ' का भावगत व शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 2.1 सूरदास का व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

2.2 निर्दिष्ट चयनित पद क्रम- 7,8,9,10,11,20,21,22,23,24 का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-5 उपर्युक्त रचनाकारों की रचनाओं में से ससंदर्भ एवं टिप्पणियाँ |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न 1. उक्त चारों कवियों की पठित कविताओं में से एक-एक ससंदर्भ | (चार में से किन्हीं दो) अंक 14

प्रश्न.2. युनिट 1 में से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.3. युनिट 2 में से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.4. युनिट 3 में से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो) अंक 14

(टिप्पणी के लिए युनिट 4 में से तथा एक टिप्पणी अनिवार्य रूप से उक्त रचनाकारों के व्यक्तित्व-कृतित्व से पूछी जाएगी)

कुल अंक : 70

आतंरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

संदर्भ ग्रन्थ :

1. प्राचीन कवि, विश्वम्भर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
2. कबीर ग्रंथावली सटीक, डॉ.पुष्पपालसिंह, अशोक प्रकाशन, दिल्ली-06 |
3. कबीर वचनामृत, डॉ.विजयेन्द्र स्नातक, मयूर पेपरबेकस, नॉएडा-01 |
4. प्राचीन कवि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
5. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य, पूरणचंद टंडन, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली |
6. गोस्वामी तुलसीदास और अयोध्या कांड, पं.योगेन्द्रनाथ शर्मा 'मधुप', हिन्दी साहित्यभंडार, लखनऊ-3 |
7. अयोध्याकाण्ड का भावसौन्दर्य, डॉ.गिरीशचन्द्र पाल, साधन प्रकाशन,कानपुर|
8. अयोध्याकाण्ड सटीक, डॉ.सतीशकुमार, अशोक प्रकाशन, दिल्ली-06

बी .ए . सेमेस्टर – 5

मुख्य हिन्दी

प्रश्न पत्र –15 – A संचार माध्यम लेखन (वैकल्पिक) भाग – १ (Optional)

प्रतिपाद्य :-

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में ईलेक्ट्रोनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है | दृश्य एवं श्राव्य संचार माध्यमों का लेखन अत्यंत महत्वपूर्ण है | हिन्दी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक प्रयोग तभी हो सकता है जब इन दृश्य – श्राव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए | यह पाठ्यक्रम रोजगार परक है, अत: प्रस्तावित किया गया है |

पाठ्यवस्तु:

युनिट : 1 1.1 संचार माध्यमों का स्वरुप एवं महत्त्व |
1.2 संचार माध्यमों के प्रकार – अंर्तवैयक्तिक |
1.3 संचार माध्यमों की प्रकृति |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक-14

युनिट : 2 2.1 वैयक्तिक संचार : अर्थ, स्वरुप, कार्य|
2.2 समूह संचार: अर्थ, विविध स्वरुप, कार्य |
2.3.विज्ञापन लेखन - आवश्यकता, भाषा, प्रकार |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक-14

युनिट : 3 3.1 रेडियो : उपयोग,उद्देश्य |
3.2 भारत में रेडियो प्रसारण |
3.3 रेडियो की भाषा, रेडियो लेखन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक -14

यूनिट : 4 4.1 रेडियो समाचार की भाषा |
4.2 उद्घोषणा लेखन –विविध रूप |
4.3 उद्घोषणा आलेखन के अनिवार्य तत्व |

कक्षा अध्यापन 9घंटे अंक -14

यूनिट : 5 5.1 रेडियो रूपक का अर्थ |
5.2 रेडियो रूपक के प्रकार |
5.3 रेडियो रूपक के तत्व |
5.4 रेडियो फीचर की विशेषताएँ |

कक्षा अध्यापन 9घंटे अंक -14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
5. टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक

कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन **कुल अंक :** 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी में मीडिया लेखन और अनुवाद – डॉ. रामगोपाल सिंह, पाश्व प्रकाशान, अहमदाबाद |
2. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3. उतर □धुनिक मिडिया तकनीक – हर्षदेव, वाणीप्रकाश, नई दिल्ली |
4. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी – डॉ.सुधीश चौधरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
5. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन – सूर्य प्रकाश दीक्षित, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली |
6. मिडिया लेखन –सुतिम मोहन, नवोदय सेल्स, नई दिल्ली |
7. कम्प्युटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजयकुमार मल्होत्रा, वाणीप्रकाशन, नई दिल्ली |
8. □धुनिक विज्ञापन – डॉ. प्रेमचंद पातंजलि, नई दिल्ली |
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी – प्रो.रमेश जस□ नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली |
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध □याम – डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय |

बी.ए. (हिन्दी)सेमेस्टर – 5

मुख्य हिन्दी

पेपर नं. 16 हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ -1

प्रतिपाद्य :-

जीवन की भावाभिव्यक्ति का सबल अध्ययन साहित्य के द्वारा होता है | अधुनातन युग में साहित्य के नित नए स्वरूपों का भी आविष्कार हुआ, जिसके माध्यम से मानव की भावाभिव्यक्ति को मजबूत संबल प्राप्त हुआ | नए नए साहित्य स्वरूप की भावगत एवं शिल्पगत विशेषताओं से छात्र अवगत हो, उनका ज्ञानवर्धन होता रहे यह अपेक्षित है | इस दिशा में ऐसे प्रश्नपत्रों का अध्ययन आवश्यक है |

पाठ्यवस्तु:-

हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

युनिट-1 : 1. कहानी : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ |
2. अज्ञेय का परिचयात्मक अध्ययन |
3. ' शरणदाता ' कहानी की कथावस्तु, चरित्रचित्रण, शीर्षक और उद्देश्य का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-2 : 1. रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ |
2. फणीश्वरनाथ रेणु का परिचयात्मक अध्ययन |
3. ' नेपाली क्रांति कथा ' रिपोर्ताज का भावगत तथा शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-3 : 1. निबंध : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ |
2. सरदार पूर्णसिंह का परिचयात्मक अध्ययन |
3. ' मजदूरी और प्रेम ' निबंध का भावगत तथा शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-4 : 1. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी का परिचयात्मक अध्ययन |
2. ' कुटज ' रचना का भावगत और शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट-5 : 1. रेखाचित्र: अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ |
2. महादेवी वर्मा का परिचयात्मक अध्ययन |
3. ' घीसा ' रचना की कथा, पात्र, शीर्षक और उद्देश्य का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :-

लिखित परीक्षा 70 अंक

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(4) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(5) टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक
		कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
5. साहित्य सहचर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. हिन्दी ललित निबंध : परंपरा एवं प्रयोग, वेदवती राढी, पाठक प्रकाशन, अलीगढ |
7. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य स्वरूपों का उद्भव एवं विकास, डॉ.बलवंत लक्ष्मण कोतमिरे, किताब महल, दिल्ली |
8. हिन्दी साहित्य में निबंध और निबंधकार, डॉ.गंगाप्रसाद गुप्त, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद |
9. साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद |

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM

Credit And Semester System Syllabus

B.A.

Name of The Subject : Hindi **SEMESTAR - 6th**

Sr. No.	SUBJECT CODE	PAPER NO.	NAME OF THE PAPER	TOTAL MARKS EXT+ENT=TOTAL	PASSING STANDARD EXT+ENT=TOTAL	PASSING TEACHING HOURS	CREDITS
1	22159	HIN-CL-503	अनिवार्य हिन्दी	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
2	22160	HIN-CL-504	हिन्दी साहित्य का इतिहास-2	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
3	22161	HIN-CL-505	साहित्यशास्त्र-2	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
4	22162	HIN-CL-506	भाषाविज्ञान	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
5	22163 OR 22164	HIN-CL-507	आधुनिक कथा साहित्य-2 अथवा राजभाषा प्रशिक्षण-2 (वैकल्पिक)	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
6	22165 OR 22166	HIN-CL-508	मध्यकालीन कविता साहित्य-2 अथवा संचार माध्यम लेखन-2 (वैकल्पिक)	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03
7	22167	HIN-CL-509	हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ-2	70+30=100	28+12=40	15*3=45	03

बी.ए. सेमेस्टर – 6

अनिवार्य हिन्दी

प्रतिपाद्य :-

हिन्दीतर प्रदेशों में विविध विषयों के साथ अभ्यासरत छात्रों को हिन्दी राष्ट्रभाषा की गरिमा व प्रभावोत्पादकता से परिचित होना आवश्यक है। छात्रों की हिन्दी भाषा के प्रति अभिरुचि में वृध्धि हो, ज्ञानवर्धन हो इस उदेश्य से प्रस्तुत प्रश्नपत्र का अभ्यास अपनी उपादेयता सिध्ध करता है।

पाठ्यपुस्तक : 'आषाढ़ का एक दिन' (नाटक) - मोहन राकेश।

प्रकाशन – राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

युनिट-1 मोहन राकेश के व्यक्तिव व कृतित्व का परिचयात्मक अध्ययन।

'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का नाट्य तत्वों की दृष्टि से अध्ययन।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे – अंक – 14

युनिट-2 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का कथानक, प्रमुख-गौण चरित्रों का अध्ययन।

'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की प्रमुख समस्याओं का अध्ययन।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे – अंक – 14

युनिट-3 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक से ससंदर्भ व्याख्या।

'आषाढ़ का एक दिन' नाटक का अंत, शीर्षक, और उदेश्य का अध्ययन।

कक्षा अध्यापन 9 घंटे – अंक -14

युनिट-4 रचना विभाग :

सरकारी पत्र लेखन (कार्यालय आदेश, परिपत्र, ज्ञापन, अनुस्मारक)

कक्षा अध्यापन 9 घंटे अंक – 14

युनिट-5 वाक्य : परिभाषा – प्रकार।

कक्षा अध्यपन 9 घंटे – अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न : 1 पाठ्यपुस्तक आधारित चार में से दो की ससंदर्भ व्याख्या। (7 x 2) = अंक 14
प्रश्न : 2 पाठ्यपुस्तक आधारित दो में से एक आलोचनात्मक प्रश्न। अंक 14
प्रश्न : 3 सरकारी पत्र अथवा सरकारी पत्र। अंक 14
प्रश्न : 4 वाक्य - अर्थ, परिभाषा तथा प्रकार (रचना अथवा अर्थ की दृष्टि से) अंक 14
प्रश्न : 5 पाठ्यपुस्तक आधारित चार में से दो टिप्पणियाँ। (7 x 2) = अंक 14
(एक टिप्पणी रचनाकार पर)

कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित।

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजन मूलक हिन्दी – डॉ.सुशीला गुप्ता – लोकभारती प्रकाशन।
2. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव।
3. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ.वासुदेवनंदन प्रसाद।
4. हिन्दी नाटक – डॉ.बच्चनसिंह – राधाकृष्ण प्रकाशन।

बी.ए. सेमेस्टर – 6

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 17. हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रतिपाद्य :-

साहित्य के छात्रों के लिए यह अनिवार्य है कि वे साहित्य की विभिन्न विधाओं की सुविकसित सृजन यात्राओं से सुपरिचित हो | हिन्दी साहित्य में समयांतर में होनेवाले परिवर्तन एवं नये सृजनादि से छात्रों का ज्ञानवर्धन पूर्णत: संभव है | हिन्दी साहित्य की नाना गतिविधियों का प्रत्यक्ष निदर्शन इस प्रश्नपत्र का मौलिक प्रतिपाद्य है |

युनिट : 1

1.1. हिन्दी कहानी साहित्य का उद्भव-विकास और प्रवृतियाँ तथा विशेषताओं का अध्ययन |

1.2. प्रमुख कहानीकारों का परिचयात्मक अध्ययन |

(प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्रकुमार, यशपाल, अज्ञेय, मन्नू भंडारी, उषा प्रियंवदा, कमलेश्वर. मोहन राकेश, निर्मल वर्मा)

1.3. हिन्दी उपन्यास साहित्य का उद्भव-विकास और प्रवृतियाँ - विशेषताएँ |

1.4. प्रमुख उपन्यासकारों का परिचयात्मक अध्ययन |

(प्रेमचंद, जैनेन्द्रकुमार, रेणु, यशपाल, अज्ञेय, भगवतीचरण वर्मा, रामदरश मिश्र, राजेन्द्र यादव, वृन्दावनलाल वर्मा)

- कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 2

2.1.हिन्दी नाटक-साहित्य का उद्भव-विकास और प्रमुख प्रवृतियाँ-विशेषताओं का अध्ययन |

2.2. प्रमुख नाटककारों का परिचयात्मक अध्ययन |

(भारतेंदु, प्रसाद, जगदीशचंद्र माथुर, लक्ष्मीनारायण लाल, मोहन राकेश, भीष्म साहनी)

2.3.हिन्दी एकांकी-साहित्य का उद्भव-विकास और प्रमुख प्रवृतियाँ – विशेषताएँ |

2.4. प्रमुख एकांकीकारों का परिचयात्मक अध्यापन |

(प्रसाद, माथुर, रामकुमार वर्मा, अश्क, विष्णु प्रभाकर, भुवनेश्वर)

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 3

3.1. हिन्दी □लोचना साहित्य का उद्भव-विकास और प्रमुख प्रवृत्तियां-विशेषताओं का अध्ययन |

3.2. हिन्दी □लोचकों का परिचयात्मक अध्यापन |

(महावीर प्रसाद द्विवेदी, रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नंददुलारे वाजपेयी, धीरेन्द्र वर्मा)

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 4

4.1. हिन्दी निबंध साहित्य का उद्भव-विकास और प्रमुख प्रवृतियाँ-विशेषताओं का अध्ययन |

4.2. हिन्दी निबंधकारों का परिचयात्मक अध्यापन |

(रामचंद्र शुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नंददुलारे वाजपेयी, धीरेन्द्र वर्मा)

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 5

5.1. □धुनिक कालीन हिन्दी साहित्य की प्रकीर्ण विधाओं का उद्भव-विकास परिचयात्मक अध्ययन|

5.2. रेखाचित्र – संस्मरण |

5.3. रिपोर्ताज |

5.4. जीवनी – □त्मकथा |

5.5. यात्रा – विवरण |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक)	14 अंक
5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो)	(7✕2) = 14 अंक
	कुल : 70 अंक

आंतरिक मुल्यांकन : कुल : 30 अंक

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी |
2. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – रामकुमार वर्मा |
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.नगेन्द्र, राजकमल राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका – हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
5. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ.ओमप्रकाश गुप्त, डॉ.विरेन्द्रनारायण सिंह, अहमदाबाद |
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृतियाँ – डॉ.नामवरसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
7. हिन्दी साहित्य की बीसवीं सदी – नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |

बी.ए. सेमेस्टर – 6

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 18. साहित्यशास्त्र **अंक : 70**

प्रतिपाद्य :-

जीवन की भावाभिव्यक्ति का सबल अध्ययन साहित्य है | साहित्य के नानाविध रूप के द्वारा इन्सान अपने विचारों की प्रस्तुति करता है | अधुनातन युग में साहित्य के नित नये स्वरूपों का भी अविष्कार हुआ, जिसके माध्यम से मानव की भावाभिव्यक्ति को मजबूत संबल प्राप्त हुआ | साहित्य के विद्यार्थियों के लिए साहित्य के नाना रूपों का अध्ययन अहम् महत्त्व रखता है | प्रस्तुत प्रश्नपत्र साहित्य के विविध रूपों, अंगों व माध्यमों की प्रत्यक्ष पहचान प्रस्तुत करने में महत्त्वपूर्ण है | साहित्य के छात्रों के लिए यह उपकारक है |

युनिट : 1 उपन्यास और कहानी : अर्थ,परिभाषा, प्रकार, लोकप्रियता के कारण ,उपन्यास और कहानी का अंतर |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 2 नाटक और एकांकी : अर्थ, परिभाषा, प्रकार, लोकप्रियता के कारण, नाटक और एकांकी का अंतर |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 3 निबंध : अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, प्रकार, निबंधकार के गुण, निबन्ध की उपयोगिता |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 4 □लोचना : अर्थ, परिभाषा, तत्त्व, प्रकार, □लोचना का महत्त्व, □लोचना के गुण |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 5 प्रकीर्ण विधाओं का स्वरूपगत परिचयात्मक अध्यापन |

⟹ रेखाचित्र – संस्मरण |
⟹ जीवनी – □त्मकथा |
⟹ रिपोर्ताज |
⟹ यात्रावृत्तांत |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. □लोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
2. □लोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
3. □लोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
4. □लोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) 14 अंक
5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो) (7×2) = 14 अंक

कुल : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : कुल : 30 अंक

विश्वविद्यालय मानदंड □धारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. काव्य के रूप – बाबू गुलाबराय |
2. साहित्य विवेचन – क्षेमेन्द्र सुमन और योगेन्द्र मलिक |
3. भारतीय काव्यशास्त्र – सं.नंदकिशोर नवल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |
4. हिन्दी साहित्यशास्त्र (भारतीय एवं पाश्चात्य) – डॉ. ओमप्रकाश गुप्त, डॉ.गोवर्धन बंजारा, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद |
5. साहित्यशास्त्र – डॉ. संजय नवले, दिव्य डिस्ट्रीब्यूटर, कानपुर |

बी.ए. सेमेस्टर – 6

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र नं. 19: भाषाविज्ञान **अंक : 70**

प्रतिपाद्य :-

भाषा विज्ञान का अध्ययन भाषा विशेष की सम्पूर्ण जानकारी का अध्ययन है | हिन्दी भाषा के उद्भव-विकास की स्थिति के साथ-साथ हिन्दी के वैयाकरण पहलुओं का भी अपना महत्त्व है | वैश्विक स्तर पर प्रभावी बनने वाली हिन्दी भाषा का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत प्रश्नपत्र का प्रतिपाद्य है |

युनिट : 1 1.1. हिन्दी का मानक रूप, हिन्दी वर्तनी के नियम, हिन्दी शब्द भण्डार का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 2 2.1. हिन्दी वर्णों का वर्गीकरण | (विस्तृत अध्ययन)

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 3 3.1. विकारी और अविकारी शब्दों का अध्ययन |

(संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रिया विशेषण, संबंध सूचक अव्यव, समुच्चयबोधक अव्यव, विस्मयादिबोधक अव्यव - अर्थ, प्रकार, परिचयात्मक अध्ययन)

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 4 4.1. हिन्दी के उपसर्ग तथा प्रत्यय का अध्ययन |

4.2. हिन्दी के समास एवं संधि का अध्ययन | (अर्थ-प्रकार) |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

युनिट : 5 5.1. हिन्दी वाक्य : अर्थ तथा प्रकारों का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
5. टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7×2) = 14 अंक
		कुल : 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन : कुल : 30 अंक

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. हिन्दी भाषा का उद्गम-विकास – डॉ.धीरेन्द्र वर्मा |
2. भाषाविज्ञान की भूमिका – डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा |
3. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा |
4. भाषा की भूमिका – डॉ.अपुण प्रकाश मिश्र |
5. हिन्दी भाषा का इतिहास – भोलानाथ तिवारी |
6. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेवनंदन प्रसाद |
7. हिन्दी की वर्तनी तथा शब्द विश्लेषण – आचार्य किशोरीप्रसाद वाजपेयी |
8. हिन्दी भाषा की संरचना – भोलानाथ तिवारी |
9. शुद्ध हिन्दी कैसे लिखे ? – शिवदानसिंह चौहान |

बी .ए . सेमेस्टर – 6

मुख्य हिन्दी

प्रश्न पत्र – 20: आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य- भाग – 2 (Optional)

प्रतिपाद्य :

साहित्य स्वरूपों में उपन्यास की एक विशेष पहचान रही है | उपन्यासों के माध्यम से साहित्यकारों ने समाज की भिन्न भिन्न परिस्थितियों का वर्णन करते हुए समाज की वास्तविकताओं का परिचय देने का प्रयास किया है | उपन्यास को वर्तमान युग का महाकाव्य भी माना गया है | हिन्दी कहानियों ने भी समाज की अनेक समस्याओं का बेबाक चित्रण किया है | आधुनिक कहानियों ने मानव मन की चेतनाओं को भी झकजोरा है | अत: इन साहित्य स्वरूपों से छात्रों का परिचित होना आवश्यक है | प्रस्तुत पाठ्यक्रम से छात्रों में उपन्यासों व कहानियों के प्रति अभिरुचि संवर्धित करनेका प्रयास है |

पाठ्य पुस्तक :

1 . 'धरती धन न अपना' - जगदीशचंद्र माथुर, राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली |

2 . प्रकीर्ण कहानियाँ

पाठ्य वस्तु :

युनिट 1 : जगदीशचंद्र माथुर का परिचय , ' धरती धन न अपना ' की कथा का अध्ययन	कक्षा अध्यापन –9 घंटे, अंक – 14
युनिट 2 : ' धरती धन न अपना ' के चरित्र , प्रमुख समस्याएँ तथा शीर्षक का अध्ययन	कक्षा अध्यापन –9 घंटे, अंक – 14
युनिट 3 : ' दुनिया का अनमोल रतन ' - प्रेमचंद , ' खितिनबाबू ' - अज्ञेय- कहानी का अध्ययन	कक्षा अध्यापन –9 घंटे, अंक – 14
युनिट 4 : ' उसने कहा था '-चंद्रधर शर्मा गुलेरी , ' अमृतसर आ गया है '-भीष्म साहनी-कहानी का अध्ययन	कक्षा अध्यापन –9 घंटे, अंक – 14
युनिट 5 : उपर्युक्त रचनाओं से ससंदर्भ व्याख्या एवम् टिप्पणियाँ	कक्षा अध्यापन –9 घंटे, अंक – 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70

(1) स-सन्दर्भ व्याख्या	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक
(2) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(3) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(4) आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
(5) टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7 x 2) = 14 अंक
		कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 30

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. जैनेन्द्र एक अध्ययन - भटनागर ,राजेन्द्र मोहन , भारतीय ग्रन्थ निकेतन,नई दिल्ली |
2. जैनेन्द्र के उपन्यास- परमानन्द श्रीवास्तव , लोकभारती प्रकाशन ,□लाहबाद |
3. हिन्दी उपन्यास विवेचन – सत्येन्द्र , भारतीय ग्रन्थ निकेतन,नई दिल्ली |
4. नई कहानी में आधुनिकता बोध – शाह ,साधना , भारतीय ग्रन्थ निकेतन ,नई दिल्ली |
5. समकालीन कहानी : नया परिप्रेक्ष्य – पुष्पपाल सिंह , सामयिक प्रकाशन , नई दिल्ली |
6. कथा समय– डॉ .विजय मोहन सिंह ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली |
7. आधुनिक हिन्दी कहानी : डॉ . लक्ष्मीनारायण लाल – वाणी प्रकाशन ,नई दिल्ली |

बी .ए . सेमेस्टर – 6

मुख्य हिन्दी

प्रश्न पत्र –20-A राजभाषा प्रशिक्षण (वैकल्पिक) भाग – 2 (Optional)

प्रतिपाद्य :-

कार्यालयी हिन्दी का एक नया स्वरुप स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात पनपता हुआ पाया गया है | इस नवीनतम विषय से छात्र अवगत हो | इसका समुचित ज्ञान प्राप्त करके रोजगार के अवसर उपलअब्ध कर सके इस लिए राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम प्रस्तावित है |

युनिट-1 भारत की बहुभाषिकता और संपर्कभाषा की आवश्यकता|
विधिध क्षेत्रों में हिन्दी : बेंक, रेल्वे, बीमा, पोस्ट ऑफिस |

कक्षा अध्यापन- 9 घंटे, अंक -14

युनिट-2 अनुवाद : परिभाषा –अर्थ –प्रकार – महत्त्व – उद्देश्य |

कक्षा अध्यापन- 9 घंटे, अंक -14

युनिट-3 विश्वभाषा के रूप में हिन्दी -स्वरुप - महत्त्व |
यांत्रिकी हिन्दी
कम्प्यूटीकरण
ई-मेइल

कक्षा अध्यापन- 9 घंटे, अंक-14

युनिट-4 हिन्दी का प्रयोग विश्वभाषा के रूप में फेक्स और हिन्दी ,इन्टरनेट और हिन्दी ,टेलेक्स(संदेश) और हिन्दी |

कक्षा अध्यापन- 9 घंटे, अंक-14

युनिट-5 पारिभाषिक शब्दावली अर्थ , महत्त्व, उपयोगिता तथा निर्दिष्ट क्षेत्रो की परिभाषिक शब्दावलियाँ |

कक्षा अध्यापन- 9 घंटे, अंक-14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
5. चार में से दो टिप्पणियाँ	(7*2)=	14 अंक
		कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन **कुल अंक : 30**

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रंथ : -

1. प्रशासनिक एवं कार्यालयी हिन्दी – डॉ. रामप्रकाश,डॉ. दिनेशकुमार गुप्त|
2. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया –तक्षशिला प्रकाशन – दरियागंज,नई दिल्ली|
3. राजभाषा हिन्दी : प्रगती और प्रयाण – डॉ.इकबाल अहमद – राधाकृष्ण प्रकाशन-दरियागंज, नई दिल्ली|
4. प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पण, प्रारूप और पत्रलेखन –डॉ.हरिमोहन – तक्षशिला प्रकाशन – दरियागंज, नई दिल्ली |
5. सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग – गोपीनाथ श्रीवास्तव – लोकभारती प्रकाशन-इलाहाबाद |
7. बेंको में व्यावसायिक हिन्दी का प्रणाली प्रयोग – डॉ.कला जोशी- भारतीय ग्रंथ निकेतन – दरियागंज, नई दिल्ली |

बी.ए.(हिन्दी) सेमेस्टर-6

मुख्य हिन्दी

प्रश्नपत्र-21.मध्यकालीन हिन्दी काव्य (Optional)

प्रतिपाद्य :

भारतीय संस्कृति अनूठी व विशिष्ट संस्कृति है | भारतीय भूमि पर धर्मांदोलनों का गौरवान्वित अतीत है | साहित्य के माध्यम से भव्य अतीत को जन मानस तक पहुँचाया जा सकता है | भारतीय भाषा-भाषी साहित्य में मध्ययुगीन साहित्यकारों का अपना विशेष प्रभाव है | हिन्दी साहित्य के मध्ययुगीन साहित्यकारों का योगदान को नजरंदाज़ नहीं किया जा सकता | मध्ययुगीन साहित्यकारों के विचारों एवं भारतीय भक्ति-भावना का परिचय प्राप्त करने की कोशिश प्रस्तुत प्रश्नपत्र का अभीष्ट है | छात्र पीढ़ी हमारी विरासतों से सुपरिचित हो यह आवश्यक है |

पाठ्यपुस्तक : 1. पद्मावत (षट्ऋतु वर्णन खंड)- मालिक मुहम्मद जायसी

2. मध्यकालीन हिन्दी काव्य- संपादक- डॉ.शिवकुमार मिश्र, पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 1.1 जायसी के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

1.2 ' षट्ऋतु वर्णन खंड ' का भावगत व शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2 2.1 बिहारी के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

2.2 दोहे क्रम 1 से 55 का अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3 3.1 घनानंद के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

3.2 पद क्रम 1 से 26 का भावगत व शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 4.1 पद्माकर के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्ययन |

4.2 पद क्रम 1 से 12 का भावगत व शिल्पगत अध्ययन |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-5 उपर्युक्त रचनाकारों की रचनाओं से ससंदर्भ एवं टिप्पणियाँ |

कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

प्रश्नपत्र प्रारूप

लिखित परीक्षा 70 अंक

प्रश्न 1. उक्त चारों कवियों की पठित कविताओं में से एक-एक ससंदर्भ | (चार में से किन्हीं दो) अंक 14

प्रश्न.2. युनिट 1 में से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.3. युनिट 2 में से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.4. युनिट 3 में से आलोचनात्मक प्रश्न | (दो में से एक) अंक 14

प्रश्न.5. टिप्पणियाँ | (चार में से दो) अंक 14

(टिप्पणी के लिए युनिट 4 में से तथा एक टिप्पणी अनिवार्य रूप से उक्त रचनाकारों के व्यक्तित्व-कृतित्व से पूछी जाएगी)

कुल अंक : 70

आतंरिक मूल्यांकन : विश्वविद्यालय मानदंड आधारित | अंक : 30

संदर्भ ग्रन्थ :

1. पद्मावती समय, डॉ.राजेन्द्रप्रसाद चतुर्वेदी, प्रकाशन केंद्र लखनौ-07 |
2. प्राचीन कवि, विश्वम्भर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
3. संक्षिप्त बिहारी सटीक, श्री रमाशंकर प्रसाद, इन्डियन प्रेस प्रा.ली. प्रयाग |
4. प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य, पूरणचंद टंडन, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली |
5. बिहारी सतसई और दयाराम सतसई, डॉ.विष्णुप्रसाद ओझा, चिंता प्रकाशन, पिलानी |
6. घनानंद कवित्त सटीक, प्रो.लक्ष्मणदत्त गौतम, अशोक प्रकाशन, दिल्ली-06 |

बी .ए . सेमेस्टर – 6

मुख्य हिन्दी

प्रश्न पत्र –21-A संचार माध्यम लेखन(वैकल्पिक) भाग – 1(Optional)

प्रतिपाद्य :-

सुचना प्रौद्योगिकी के इस युग में ईलेक्ट्रोनिक मिडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है | दृश्य एवं श्राव्य संचार माध्यमों का लेखन अत्यंत महत्वपूर्ण है | हिन्दी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक प्रयोग तभी हो सकता है जब इन दृश्य – श्राव्य माध्यमों से संबंधित विधाओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाय | यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगार परक है, अत: प्रस्तावित किया गया है |

पाठ्यवस्तु:

युनिट-1

फिल्मो का आविष्कार |
फिल्म उपयोगिता|
फिल्मो के प्रकार – डोक्युमेन्टरी , कलासिकल, मनोरंजक |
फिल्मो के प्रमुख संगठन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2

टेलिविजन की उपयोगिता |
टेलिविजन और भारत |
टेलिविजन का लक्ष्य |
केबल टेलिविजन – विभिन्न चेनल –**MP3,DVD,CD** कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3

टेलिविजन लेखन का वर्गीकरण |
टेलिविजन लेखन के अनिवार्य तत्व |
टेलिविजन समाचार –अर्थ, स्वरूप, लेखन की विशेषताएं | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4

स्क्रीन प्ले लेखन – विशेषताएँ |
फिल्म –टी.वी., संवाद लेखन अनिवार्य तत्व |
संवाद लेखन की अनिवार्यता |
साहित्यिक कृतियों का दृश्य मध्यमों में रूपांतरण (आवश्यकता –सावधानी) कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-5

टेलिड्रामा लेखन के प्रमुख तत्व |
डोक्युमेन्टरी या वृत चित्र : तत्व, प्रकार |
रिपोतार्ज लेखन – अर्थ, तत्व ,स्वरूप | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

<u>प्रश्नपत्र प्रारूप</u> :

लिखित परीक्षा 70 अंक

1. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
2. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
3. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
4. आलोचनात्मक प्रश्न	(दो में से एक)	14 अंक
5. टिप्पणियाँ	(चार में से दो)	(7 * 2) = 14 अंक
		कुल अंक : 70

<u>आंतरिक मूल्यांकन</u> **कुल अंक : 30**

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

सन्दर्भ ग्रंथ :-

1. हिन्दी में मिडिया लेखन और अनुवाद – डॉ. रामगोपाल सिंह, पार्श्व पब्लिकेशन अहमदाबाद |
2. जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी, जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद |
3. उतर □धुनिक मिडिया तकनीक – हर्षदेव, वाणी प्रकाशन दरियागंज नई दिल्ली |
4. नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी – डॉ. सुधीश पचौरी, अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली |
5. भाषा प्रोद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन – सूर्य प्रकाश दीक्षित, किताबघर प्रकाशन नई दिल्ली |
6. मिडिया लेखन – सुतिम मोहन नवोदय सेल्स दरियागंज नई दिल्ली |
7. कम्प्युटर के भाषीक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली |
8. □धुनिक विज्ञापन – डॉ. प्रेमचंद पतंजलि, दरियागंज नई दिल्ली

बी.ए. हिन्दी

सेमेस्टर – 6

मुख्य हिन्दी

पेपर नं. 22 हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

प्रतिपाद्य :-

जीवन की भावाभिव्यक्ति का सबल अध्ययन साहित्य है | अधुनातन युग में साहित्य के नित नए स्वरूपों का भी आविष्कार हुआ, जिसके माध्यम से मानव की भावाभिव्यक्ति को मजबूत संबल प्राप्त हुआ | नए नए साहित्य स्वरूप की भावगत एवं शिल्पगत विशेषताओं से छात्र अवगत हो, ज्ञानवर्धन हों यह अपेक्षित है |

पाठ्यवस्तु:-

हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

युनिट-1 : 1. रेखाचित्र : अर्थ, विशेषताओं और महादेवी वर्मा का परिचयात्मक अध्ययन |
2. ' भक्तिन ' रचना का भावगत एवं शिल्पगत अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-2 : 1. यात्रावृतांत : अर्थ, विशेषताओं और अज्ञेय का परिचयात्मक अध्ययन |
2. ' बहता पानी निर्मला ' रचना का भावगत एवं शिल्पगत अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-3 : 1. निबंध : अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताओं का और विद्या निवास मिश्र का परिचयात्मक अध्ययन |
2. ' मेरी रुमाल खो गयी ' रचना का भावगत एवं शिल्पगत अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 : 1. हरिशंकर परसाई का परिचयात्मक अध्ययन और ' निंदा रस ' रचना के कथ्य का अध्ययन |
2. ' निंदा रस ' रचना का भावगत एवं शिल्पगत अध्ययन | कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

युनिट-4 : 1. आत्मकथा: अर्थ, विशेषताओं का और डॉ.तुलसीदास का परिचयात्मक अध्ययन |
2. ' मुर्दहिया ' आत्मकथा खंड - 1 से ' मुर्दहिया तथा स्कूली जीवन ' प्रकरण का भावगत एवं शिल्पगत अध्ययन |
कक्षा अध्यापन 9 घंटे, अंक 14

प्रश्नपत्र प्रारूप :

लिखित परीक्षा 70 अंक

1 .आलोचनात्मक प्रश्न दो में से एक	14 अंक
2.आलोचनात्मक प्रश्न दो में से एक	14 अंक
3 .आलोचनात्मक प्रश्न दो मए से एक	14 अंक
4 .आलोचनात्मक प्रश्न दो में से एक	14 अंक
5 .चार में से दो टिप्पणियाँ	(7 * 2) = 14 अंक
	कुल अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन **कुल अंक : 30**

विश्वविद्यालय मानदंड आधारित |

संदर्भ ग्रन्थ :-

1. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, डॉ.रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
2. हिन्दी आलोचना, विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली |
3. हिन्दी गद्य लेखन में व्यंग्य और विचार, सुरेश कान्त, राधाकृष्ण प्रकाशन |
4. हरिशंकर परसाई : व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, राधेमोहन शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन |
5. साहित्य सहचर, हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |
6. हिन्दी ललित निबंध : परंपरा एवं प्रयोग, वेदवती राढी, पाठक प्रकाशन, अलीगढ |
7. हिन्दी गद्य के विविध साहित्य स्वरूपों का उद्भव एवं विकास, डॉ.बलवंत लक्ष्मण कोतमिरे, किताब महल, दिल्ली |
8. हिन्दी साहित्य में निबंध और निबंधकार, डॉ.गंगाप्रसाद गुप्त, रचना प्रकाशन, इलाहाबाद |
9. साहित्यकार और चिन्तक आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद |
10. हिन्दी साहित्य : रचना से आलोचना तक, डॉ. शैलेश मेहता, के.एस.पब्लिकेशन, भोपाल |
11. हिन्दी साहित्य, सृजन और समीक्षा, आचार्य नंदुदुलारे बाजपेयी, दी. मैकमिलन कंपनी |
12. चिंतामणि, रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाश संस्थान, दिल्ली |